छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

सितंबर-अक्टूबर 2020 ■ वर्ष-17

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

EYE ON DEVELOPMENT OF CHHATTISGARH

छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

सितंबर-अक्तूबर 2020 ▪ वर्ष-17

संरक्षक

श्री सुब्रत साहू (IAS)
अध्यक्ष

श्री अशोक कुमार
प्रबंध निदेशक
(ट्रांसमिशन कंपनी)

श्री एन.के. बिजौरा
प्रबंध निदेशक
(जनरेशन कंपनी)

श्री राजेश वर्मा
प्रबंध निदेशक
(ट्रेडिंग कंपनी)

श्री हर्ष गौतम
प्रबंध निदेशक
(डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी)

श्रीमती उज्ज्वला बघेल
प्रबंध निदेशक
(होल्डिंग कंपनी)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी मर्यादित

प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

	नवंबर 2000	अक्टूबर 2020
ताप विद्युत क्षमता	1240 मेगावॉट	3080 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1360 मेगावॉट	3224.70 मेगावॉट
क्षमता वृद्धि	---	1864.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या	27 नग	121 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5205 सर्किट कि.मी.	12823 सर्किट कि.मी.
केपेसिटर स्थापित क्षमता	94 एमव्हीएआर	1085 एमव्हीएआर
33/11 केव्ही उपकेंद्रों की संख्या	248 नग	1315 नग
33 केव्ही लाइनों की लंबाई	6988 सर्किट कि.मी.	22936 स. कि.मी.
11/04 केव्ही उपकेंद्रों की संख्या	29692 नग	186401 नग
11 केव्ही लाइनों की लंबाई	40556 कि.मी.	117034 कि.मी.
निम्नदाब लाइनों की लंबाई	51314 कि.मी.	199935 कि.मी.
विद्युतीकृत मजराटोलों की संख्या	10375	39351
विद्युतीकृत पंपों की संख्या (प्रावधिक)	73369	448318
एकलबत्ती कनेक्शन की संख्या (प्रावधिक)	630389	1940151

संपादक : **विजय कुमार मिश्रा** अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क)
सह सम्पादक : **अनामिका मण्डावी** ● सहयोग : **जाबिर मोहम्मद कुरैशी, प्रसन्न दुबे**
छाया : **संजय टेम्बे**, e-mail : vijay.mishra361@gmail.com

मान.मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा "मोर बिजली एप" के नये फीचर्स का शुभारंभ

मान.मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 06 अक्टूबर 2020 को अपने निवास कार्यालय मे छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के "मोर बिजली एप" के नये फीचर्स का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का ऐसा पहला राज्य है, जहां विद्युत वितरण कम्पनी द्वारा उपभोक्ताओं को विद्युत सेवाओं का घर बैठे लाभ मुहैया कराने के लिए मोर बिजली मोबाइल एप लॉन्च किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने इसके लिए सीएसपीडीसीएल के इस प्रयास की सराहना करते हुए बधाई एवं शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को इससे बड़ी सहूलियत मिलेगी। विद्युत उपभोक्ता इस एप के जरिए विद्युत वितरण कम्पनी की 90 फीसदी से अधिक सेवाओं का घर बैठे लाभ प्राप्त कर सकते हैं। अब उपभोक्ताओं को बिजली दफ्तर के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। इससे श्रम, समय और पैसे की बचत होगी। इस एप के जरिए विद्युत कम्पनी की मैदानी टीम को भी काम करने में आसानी होगी। "मोर बिजली एप" की निःशुल्क सुविधा का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को इसे अपने मोबाईल पर डाउनलोड करना चाहिए।

कार्यक्रम में मान. कृषि एवं सहकारिता मंत्री श्री रवीन्द्र चौबे, मान. नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया, मान. स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, मुख्यमंत्री के अपर सचिव एवं पावर कम्पनीज के चेयरमैन श्री सुब्रत साहू, पॉवर कम्पनी के एम.डी. सर्वश्री हर्ष गौतम, राजेश वर्मा, एन. के. बिजौरा, श्रीमती उज्जवला बघेल एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम में पॉवर कम्पनीज के चेयरमेन श्री सुब्रत साहू ने कहा कि प्रदेशवासियों

को ऊर्जा से उन्नति की ओर अग्रसर करने अनेक योजनायें और सुविधायें पहली बार आरंभ की गई है, जिनमें हाफ रेट पर बिजली योजना और मोर बिजली एप से उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है। भविष्य में भी छत्तीसगढ़ विद्युत विकास का गढ़ बना रहेगा। इसके लिए प्रदेश में विद्युत अधोसंरचना का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण काल में भी विद्युत उत्पादन के मामलें में छत्तीसगढ़ अग्रणी बना हुआ है।

कार्यक्रम में डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री हर्ष गौतम ने बताया कि इस एप को गूगल प्ले स्टोर से निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। इस एप के जारिए लोग घर बैठे 16 से अधिक प्रकार के विद्युत संबंधी कार्यों का निपटारा कभी भी किसी भी समय कर सकते हैं। इस एप में शामिल नया फीचर "आपातकालीन शिकायत" विद्युत दुर्घटना की घड़ी में उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। कहीं टूटे बिजली के तार या अन्य क्षतिग्रस्त विद्युत प्रणाली की फोटो खींचकर अपातकालीन शिकायत के अपलोड बटन को दबाने पर एसएमएस के द्वारा संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारी को लोकेशन की सूचना मिल जाएगी और बिजली तार या क्षतिग्रस्त उपकरण दुरूस्त कर लिए जाएंगे। शिकायतकर्ता को इसकी सूचना भी मिल जाएगी।

मोर बिजली एप की खासियत

मोर बिजली एप के जरिए हर उपभोक्ता का मोबाईल बिजली दफ्तर बन जाएगा। इसके द्वारा बिजली बंद की शिकायत दर्ज करने पर बिजली मिस्त्री गूगल मैप के सहारे उपभोक्ता के परिसर तक पहुंच सकता है। बिजली की आपातकालीन शिकायत इस एप से करने पर जीपीआरएस लोकेशन की सूचना मिल जाती है और विद्युत दुर्घटना रोकने आपातकालीन शिकायत दूर करने सुधार दल स्थल पर जल्दी ही पहुंच जाता है। मीटर शिफ्टिंग, नाम परिवर्तन, निम्नदाब बिजली कनेक्शन, भार वृद्धि-कमी हेतु बिजली दफतर जाये बिना इस एप से ऐसे कार्य पूर्ण हो जाते हैं।

उपभोक्तागण अपने सहित अन्य 04 विद्युत कनेक्शन के बिल को इस एप के माध्यम से अपने मोबाईल पर देख सकता है। बिल का भुगतान ऑनलाईन कर सकता है। उपभोक्तागण पिछले दो वर्षों में खपत किये गये बिजली की यूनिट्स तथा उसके भुगतान की भी जानकारी इस एप से ले सकते हैं। बिजली बिल में गड़बड़ी की आशंका होने पर उपभोक्तागण इस एप से वर्तमान में लागू बिजली की दर को देखकर स्वयं सही बिजली बिल की गणना कर सकते हैं। मीटर रीडिंग गड़बड़ी सुधारने हेतु उपभोक्तागण मीटर की रीडिंग की फोटो खींचकर इस एप के द्वारा बिजली दफ्तर में भेजकर आसानी से सुधार करवा सकते हैं।

कोरोना संक्रमण काल में ऐसी राष्ट्रीय उपलब्धि सराहनीय-श्री भूपेश बघेल

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी के विद्युत गृहों ने देशभर के 33 स्टेट पावर सेक्टर के ताप विद्युत गृहों को पछाड़ते हुए लगातार माह अगस्त में 70.59 प्रतिशत एवं सितम्बर माह में 70.51 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर (पी.एल.एफ) अर्जित कर देश में सर्वोच्च स्थान पर होने का गौरव प्राप्त किया है।

भारत सरकार के अधीन कार्यरत केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की माह अगस्त एवं सितम्बर 2020 के रिपोर्ट अनुसार छत्तीसगढ़ पावर जनरेशन कंपनी के विद्युत गृह प्रथम, तेलंगाना स्टेट द्वितीय तथा झारखंड तृतीय स्थान पर रहा। कोविड-19 के संक्रमण काल में लगातार विद्युत ग्रहों की ऐसी राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धि के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने विद्युत कर्मियों को बधाई दी। उन्होंने पावर कंपनीज के चेयरमैन श्री सुब्रत साहू और उत्पादन कंपनी के एमडी श्री एनके बिजोरा सहित उनकी टीम को ऐसे अभूतपूर्व कीर्तिमान बनाए रखने प्रेरित किया।

ऐसी गौरवशाली परंपरा को बनाए रखने का आह्वान करते हुए चेयरमैन श्री सुब्रत साहू ने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ से भी अधिक उन्नत राज्य के विद्युत गृह छत्तीसगढ़ से पीछे चल रहे हैं। कोरोना संक्रमण काल में जहां देशभर के विद्युत ग्रहों के उत्पादन में गिरावट दर्ज हो रही है वही जनरेशन कंपनी के विद्युत गृहों ने विद्युत उत्पादन के मामले में प्रदेश को अग्रणी बनाए रखा है।

विदित हो कि सी.ई.ए. की रिपोर्ट के मुताबिक देश भर विद्युत गृहों का पी.एल.एफ का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया, जिसमें सर्वाधिक पीएलएफ छत्तीसगढ़ कंपनी के ताप विद्युत गृहों का दर्ज हुआ है। माह सितम्बर में देश भर के ताप विद्युत गृहों का औसत पी.एल.एफ 49.58 प्रतिशत रहा, जबकि छत्तीसगढ़ जनरेशन कंपनी के विद्युत गृहों के प्लांट का प्रतिशत 70.51 प्रतिशत दर्ज हुआ जो कि राष्ट्रीय औसत पीएलएफ से कहीं अधिक है है।

कुल स्थापित क्षमता 3224.70 मेगावॉट

तापीय विद्युत संयंत्र			
क्रं	विद्युत संयत्रों का स्थलवार विवरण	संयंत्रवार क्षमता (मेगावाट में)	कुल स्थापित क्षमता (मेगावाट में)
1	कोरबा पूर्व ताप विद्युत गृह कोरबा जिला कोरबा विद्युत गृह क्रमांक III	2X120	240
2	हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम, कोरबा, जिला कोरबा		
	विद्युत गृह क्रमांक I	2X210	420
	विद्युत गृह क्रमांक II	2X210	420
3	डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व	2X250	500
4	कोरबा पश्चिम विस्तार ताप विद्युत गृह	1X500	500
5	अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा, जांजगीर-चांपा	2X500	1000
	कुल ताप विद्युत क्षमता (मेगावाट में)		**3080**
जल विद्युत संयंत्र			
1	हसदेव बांगो जल विद्युत गृह, माचाडोली बांगो, जिला कोरबा	3X40	120
2	जल विद्युत गृह, गंगरेल जिला धमतरी	4X2.5	10
3	जल विद्युत गृह,सिकासार, जिला गरियाबंद	2X3.5	7
4	हसदेव लघु /लघुत्तम जल विद्युत गृह कोरबा पश्चिम जिला कोरबा	2X0.85	1.70
	कुल जल विद्युत क्षमता (मेगावॉट में)		**138.70**
को जनरेशन संयंत्र			
	भोरमदेव सह उत्पादन कबीरधाम	1X6	6 मेवॉ

डायरेक्टर श्रीमती उज्जवला बघेल ने संभाला पॉवर होल्डिंग कंपनी का पदभार

छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा विभाग से जारी आदेश के अनुपालन में 22 सितम्बर 2020 को डायरेक्टर श्रीमती उज्ज्वला बघेल ने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक का पदभार संभाला। राज्य शासन के आदेशानुसार आगामी आदेश पर्यंत उन्हें प्रभारी प्रबंध निदेशक पदस्थ किया गया है। अब तक डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के एमडी श्री हर्ष गौतम पॉवर होल्डिंग कंपनी का कार्यभार संभाल रहे थे।

नवपदभार ग्रहण करने के उपरांत श्रीमती बघेल ने राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए शासन की रीति नीति के अनुरूप सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन करने प्रतिबद्धता व्यक्त की। वर्तमान में वे पाँचों पॉवर कंपनीज की महिला डायरेक्टर भी हैं। होल्डिंग कंपनी के एमडी का पदभार ग्रहण करने के उपरांत श्रीमती बघेल को पॉवर कंपनीज के उच्चाधिकारियों सहित अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों, श्रमिक संगठनों के पदाधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

जीवन परिचय

एमडी श्रीमती उज्जवला बघेल का जन्म 28 नवम्बर 1960 को रायपुर में हुआ। अपनी माता श्रीमती लता रानी तथा पिता श्रीराम सेवक शर्मा जी के स्नेहाशीष और कुशल मार्गदर्शन में आपने वर्ष 1976 में रायपुर से हायर सेकेण्डरी की परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरान्त वर्ष 1981 में शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय रायपुर से बी.ई. (सिविल) की उपाधि प्राप्त की।

विद्या अध्ययन की पूर्णता के उपरान्त आपने ग्रेजुएट ट्रेनी के रूप में वर्ष 1983 सें मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल की जल विद्युत परियोजना बोधघाट बारसूर से अपनी सेवायात्रा की शुरूआत की। आगे वर्ष 1984 में बारसूर में ही सहायक अभियंता के पद पर आपकी नियमित नियुक्ति हुई। सेवायात्रा में अपनी कार्यकुशलता से आगे बढ़ते हुए वर्ष 1999 में आपको कार्यपालन अभियंता तथा वर्ष 2008 में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। इन पदों पर आपने पॉवर कंपनी मुख्यालय रायपुर में अपनी सेवाएं दी।

सेवायात्रा के दौरान सौंपे गये दायित्वों का लगन व ईमानदारीपूर्वक निर्वहन को आपने अपनी कार्यशैली में बनाये रखा। जिसका सुफल आपको वर्ष 2011 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति के रूप में प्राप्त हुआ। जनरेशन कंपनी के सिविल प्रोजेक्ट कार्यालय में कार्यरत रहते हुए आपको राज्य शासन के ऊर्जा विभाग की ओर से जारी आदेशानुसार पहले पॉवर कंपनीज के डायरेक्टर और फिर पॉवर होल्डिंग कंपनी के प्रभारी प्रबंध निदेशक के पद पर नियुक्ति दी गई। आपकी अभिरूचि विविध विषयों पर आधारित पुस्तकों का अध्ययन एवं बागवानी में विशेष रूप से है।

कोतमीकला उपकेन्द्र में 40 एम.व्ही.ए का पॉवर ट्रांसफार्मर क्रियाशील

खराब मौसम से जूझते कर्मियों ने स्थापित किया विशालकाय ट्रांसफार्मर - एमडी श्री कुमार

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनीज के अधिकारियों-कर्मचारियों की टीम ने सुदूर ग्रामीण तक समुचित वोल्टेज पर बिजली पहुंचाने हेतु पारेषण प्रणाली के विस्तार कार्य की गति को बनाये रखा है। पारेषण क्षेत्र में प्रगति करते हुए 15 अक्टूबर को 220/132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र कोतमीकला में 40 एम.व्ही.ए. क्षमता के पॉवर ट्रांसफार्मर को स्थापित कर क्रियाशील करने में बड़ी कामयाबी पारेषण कंपनी की टीम को मिली। उक्त जानकारी प्रबंध निदेशक श्री अशोक कुमार ने दी।

आगे उन्होंने बताया कि ईसीई द्वारा निर्मित उक्त पॉवर ट्रांसफार्मर को खराब मौसम, तेज बारिश के मध्य प्रतिकूल परिस्थितियों में ट्रांसमिशन-डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की एक्सपर्ट टेक्नीकल टीम ने स्थापित किया। विदित हो कि कोतमीकला उपकेन्द्र में स्थापित लगभग 36 साल पुराना 20 एम.व्ही.ए क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर के फेल हो जाने के कारण उसके स्थान पर 40 एम.व्ही.ए. क्षमता का नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर क्रियाशील किया गया। नव क्रियाशील ट्रांसफार्मर के माध्यम से समुचित भार पर उपभोक्ताओं तक बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित होगी एवं लोड मैनेजमेंट की दृष्टि से भी यह अत्यंत कारगर होगा।

उक्त भारी भरकम पॉवर ट्रांसफार्मर की स्थापना-क्रियाशील कार्य में जुटे टीम को श्री कुमार ने बधाई दी। साथ ही प्रदेश की पारेषण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिए युद्धस्तर पर किये जा रहे कार्यों को कोरोना काल में भी समयसीमा में पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया।

पॉवर कम्पनी ने आरम्भ की विद्युत उपभोक्ता फोरम में "ऑन लाइन शिकायत" दर्ज कराने की सुविधा'

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं की सेवा हेतु किये जा रहे कार्यों पर केन्द्रित एक प्रेजेंटेशन 16 अक्टूबर 2020 को छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के कार्यालय में आयोग के चेयरमैन श्री डी.एस.मिश्रा के समक्ष दिया गया। डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री हर्ष गौतम ने इस अवसर पर प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया कि विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं की सहूलियत को दृष्टिगत रखते हुए कंपनी द्वारा ऑन लाईन वर्किंग सिस्टम को विशेष बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी कड़ी में एक नई सुविधा की शुरूआत की गई जिसके माध्यम से अब उपभोक्तागण अपनी बिजली संबंधी शिकायत की याचिका "कंज्यूमर ग्रीवेंस रिड्रेसल फोरम" में घर बैठे आन लाइन दर्ज करा सकेंगे।

नियामक आयोग कार्यालय में डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के एमडी श्री गौतम ने आयोग के चेयरमेन श्री मिश्रा सहित सदस्यगण, सचिव सहित अन्य अधिकारियों के समक्ष आन लाईन "कंज्यूमर ग्रीवेंस रिड्रेसल फोरम" में याचिका दर्ज कराने की प्रक्रिया का लाइव प्रजेन्टेशन दिया। उन्होंने इसे विद्युत उपभोक्ताओं के लिए अत्यन्त उपयोगी ठहराते हुए बताया कि ऑन लाईन पिटीशन दर्ज आरंभ हो जाने से उपभोक्ताओं के समय,श्रम और अर्थ की भी बचत होगी।

400 मेगावाट सोलर पावर क्रय करने एनएचपीसी और विद्युत वितरण कंपनी के मध्य अनुबंध

पावर हब ऑफ इंडिया और जीरो पावर कट स्टेट के नाम से देशभर में जाना जाने वाला राज्य छत्तीसगढ़ आगामी अनेक वर्षों तक बिजली के मामले में सरप्लस बना रहेगा।

राज्य सरकार की भी सोच है कि प्रदेश में उपभोक्ताओं को सस्ते दर पर सहजता पूर्वक बिजली की आपूर्ति हो सके। इस सोच को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए 25 सितंबर को 400 मेगावाट सोलर पावर खरीदने हेतु छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी और नेशनल हाइड्रो पावर कॉरपोरेशन के मध्य अनुबंध का निष्पादन किया गया।

कंपनी मुख्यालय विद्युत सेवा भवन में एक सादे कार्यक्रम में अनुबंध पत्र पर विद्युत वितरण कंपनी की ओर से मुख्य अभियंता श्री मनोज खरे एवं एनएचपीसी के महाप्रबंधक श्री एस पी राठौर ने हस्ताक्षर किया। इस अवसर पर वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता श्री अजय कुमार सिंह,सहायक अभियंता श्री टी एन बंछोर तथा एनएचपीसी के सीनियर मैनेजर श्री नरेश बंसल उपस्थित थे। इसअनुबंध निष्पादन से लगभग 25 वर्षों तक सोलर पावर की आपूर्ति छत्तीसगढ़ वितरण कंपनी को एनएचपीसी करेगी।

छत्तीसगढ़ की आर्थिक सुदृढ़ता को बढ़ाने की दृष्टि से यह अनुबंध अत्यंत ही फायदेमंद सिद्ध होगा। करीब 2.62 रुपए प्रति यूनिट की दर से सोलर पावर की खरीदी की जाएगी।इस दर पर कम्पनी को दीर्घावधि तक मिलने वाली 400 मेगावाट सोलर बिजली प्रदेश के विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए फायदेमंद रहेगी। आर्थिक दृष्टि से लाभकारी सोलर पावर की मांग देशभर में बढ़ रही है इसे दृष्टिगत रखते हुए कम्पनी ने कम दर पर बिजली पाने कारगर कदम उठाए हैं।

प्रकृति का संरक्षक है, सोलर पावर

- यह धुआं रहित होता है
- यह पानी तेल कोयला जैसे संसाधनों को संरक्षित करता है
- इसमे राख का विसर्जन नहीं होता जिससे मिट्टी प्रदूषित नहीं होती।
- अन्य स्त्रोत की तुलना में किफायती होता है
- सूर्य ताप से बिजली बनती है जो कि प्रकृति से निःशुल्क उपलब्ध है
- प्रर्यावरण को सुरक्षित रखने में मददगार है।

एम.डी. श्री बिजौरा द्वारा गारे-पेल्मा सेक्टर III कोल ब्लॉक का निरीक्षण

ताप विद्युत उत्पादन हेतु आवश्यक संसाधनों की दृष्टि से छत्तीसगढ़ राज्य की गिनती अग्रणी राज्यों में होती है। छत्तीसगढ़ में उपलब्ध प्रचुर संसाधनों का प्रदेश एवं जनहित में सदुपयोग करते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी ने विद्युत उत्पादन के मामले में छत्तीसगढ़ को देश के मानचित्र पर जगमगाते राज्य के रूप में स्थापित किया है।

छत्तीसगढ़ राज्य के गठनोपरान्त विद्युत उत्पादन हेतु कोरबा(पूर्व) में 2x500 मेगावाट क्षमता, डी.एस.पी.एम. विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम में 4x210 मेगावाट एवं 1x500 मेगावाट तथा जांजगीर-चांपा में स्थित 2x500 मेगावाट मड़वा ताप विद्युत केन्द्रों के परिचालन हेतु कोयले की आपूर्ति साउथ ईस्टर्न कोल लिमिटेड के विभिन्न खदानों से प्राप्त की जा रही है।

विद्युत संयंत्रों के लिए कोयले की आवश्यकता हेतु आत्मनिर्भरता के सफल कदम की गाथा लिखते हुए जनरेशन कंपनी के इतिहास में पहली बार गारे-पेल्मा सेक्टर तीन कोल ब्लाक से कोयला खनन कर मड़वा ताप विद्युत गृह को आपूर्ति की जा रही हैं। इस महत्वपूर्ण कार्य का निरीक्षण प्रबंध निदेशक श्री एन.के.बिजौरा ने 09 अक्टूबर 2020 को कोल ब्लाक स्थल पर जाकर किया। उन्होंने कोयला खनन के कार्य को निर्बाध संचालित करने हेतु खनि कर्म के अधिकारी/कर्मचारियों को समुचित मार्गदर्शन दिये। साथ ही कोरोना संक्रमण की रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का समुचित पालन करने प्रेरित किया। उन्होंने इस दौरान पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने का संदेश प्रेषित करते हुए वृक्षारोपण भी किया।

इस अवसर पर प्रबंध निदेशक श्री एन के बिजौरा, मुख्य अभियंता (सिविल परियोजना-एक) श्री एस.के.दुबे, कोल एडवाईजर श्री निरंजन दास, अति मुख्य अभियंता, श्री देवेन्द्र नाथ, एडवाईजर जियोलाजी, श्री अचार्या अधीक्षण अभियंता सिविल श्री एस तवरघारी तथा माइन मेनेजर श्री सत्य नारायण तथा अदानी ग्रुप के श्री सक्सेना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विदित हो कि वर्ष 2015 में Special Coal Mine Provisions Act आने के पश्चात् केन्द्रीय कोयला मंत्रालय नई दिल्ली के द्वारा देश के सभी राज्य विद्युत उत्पादन कंपनियों को कोयला खदान लेने हेतु निविदा के आधार पर आवेदन आमंत्रित किया गया था। इस प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ शासन से अनुमति के पश्चात् छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कपनी द्वारा निविदा प्रक्रिया में भाग लिया गया, फलस्वरूप कंपनी को जिला रायगढ़ से 45 किलोमीटर दूर तमनार तहसील के खम्हरिया, बजरमुड़ा, करवाही, ढोलनारा एवं मिलूपारा की भूमि पर स्थित गारे पेलमा सेक्टर-तीन कोल ब्लॉक का आबंटन वर्ष 2015 में मड़वा ताप विद्युत परियोजना हेतु किया गया।

इस खदान को विकसित कर खनन कार्य हेतु समस्त प्रक्रिया पूर्ण करने के उपरान्त कोयला मंत्रालय और जनरेशन कंपनी के मध्य दिनांक 30 मई 2015 को अनुबंध निष्पादित किया गया। इस परियोजना के क्रियान्वयन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी जनरेशन कंपनी के सिविल संकाय को दी गई। ऐसे कार्यों का कोई भी पूर्वानुभव नहीं होने के बावजूद इस नई प्रकृति के कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करना अत्यंत आवश्यक था, चूंकि निश्चित् समयावधि में कार्य पूर्ण न होने की स्थिति में कोयला मंत्रालय के अधीन, कंपनी की 110 करोड़ रूपये की धरोहर राशि समानुपातिक रूप से कटौती किए जाने का प्रावधान था।

जनरेशन कंपनी की टीम ने उक्त कार्य के कुशल संपादन हेतु खनन संक्रिया एवं परिवहन इत्यादि कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए वैश्विक आधार पर एजेंसी चयन के लिए निविदा आमंत्रित किया गया। इसके आधार पर माइन डेवलपर कम आपरेटर

(एम.डी.ओ) के रूप में सफल निविदाकार मेसर्स अडानी इन्टरप्राईजेस लिमि. चयन किया गया। तत्पश्चात् मेसर्स अडानी इन्टरप्राईजेस लिमि. और उसकी अनुसंगी कंपनी तथा स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के मध्य 16 नवम्बर 2019 को कोल माइन सर्विस एग्रीमेंट (सी.एम.एस.ए.) निष्पादित किया गया।

आगे बढ़ते हुए सिविल संकाय द्वारा कोयला खनन कार्यों हेतु आवश्यक वन भूमि प्रत्यावर्तन एवं पर्यावरणीय स्वीकृति, केन्द्रीय भू-जल आयोग, कोल कन्ट्रोलर कोलकाता, खान सुरक्षा निदेशालय इत्यादि से प्राप्त कर खनन कार्य प्रारंभ करने की अंतिम स्वीकृति 28 मार्च को प्राप्त की गई और 02 अप्रेल 2019 को कोयला खनन कार्य आरंभ हो गया, जो कि अनुबंध में निर्धारित तिथि 13 जून 2019 के पूर्व ही प्रारंभ करने का इतिहास बना। यह दिवस जनरेशन कंपनी के इतिहास पटल में स्वर्णिम-ऐतिहासिक तिथि के रूप में दर्ज हुआ। तब से लेकर अब तक लगातार खनन का कार्य सुचारू रूप से किया जा रहा है।

परियोजना की स्वीकृति माइन प्लान के अनुरूप प्रथम वित्तीय वर्ष 2019-20 के निर्धारित लक्ष्य पांच लाख टन कोयले के उत्पादन को प्राप्त किया गया है। कोयले का परिवहन उक्त खदान से राबर्टसन रेलवे साइडिंग तक सड़क मार्ग एवं वहां से मड़वा ताप विद्युत केन्द्र तक रेल मार्ग द्वारा अनवरत रूप से किया जा रहा है। प्लांट की कोयले की आवश्यकता को ध्यान में रख कर इस वित्तीय वर्ष 2020-21 में तीस लाख टन कोयले के उत्पादन और परिवहन का लक्ष्य रखा गया है। इस हेतु आवश्यक तैयारी भी जारी है।

वर्तमान में SECL से प्राप्त होने वाले कोयले की प्लांट तक पहुँचाने की स्थिति में कीमत रू. 2300.00 प्रति टन होती है जबकि कंपनी के खदान से प्राप्त होने वाले कोयले की कीमत समस्त व्यय के उपरान्त रू. 1966.00 प्रति टन आ रही है। भविष्य में परिवहन हेतु रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकसित होने पर कीमत में और कमी आना अवश्यंभावी है।

सेफ्टी मैनेजमेंट प्लान हेतु कंपनी को आबंटित कोयला खदान पुरस्कृत

छत्तीसगढ़ पॉवर जनरेशन कंपनी को आबंटित कोयला खदान गारे-पेल्मा सेक्टर -III को खान सुरक्षा निदेशालय, धनबाद (केन्द्रीय श्रम कल्याण मंत्रालय के अधीन) और साउथ ईस्टर्न कोल लिमिटेड के क्षेत्राधीन सुरक्षा पखवाड़ा में खुली खदान की श्रेणी -डी में वर्ष 2019-20 का सेफ्टी मैनेजमेन्ट प्लान हेतु प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। 22 फरवरी, 2020 को जमुना कोटमा क्षेत्र एस.ई.सी.एल. में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में कंपनी का प्रतिनिधित्व करते हुए अतिरिक्त मुख्य अभियंता (सिविल) श्री देवेन्द्र नाथ ने पुरस्कार प्राप्त किया। पुरस्कार स्वरूप प्राप्त ट्राफी के साथ प्रबंध निदेशक श्री एन.के.बिजौरा, श्री नाथ, अधिक्षण अभियंता श्री तवरघारी द्रष्टव्य है।

अतिरिक्त मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. श्रीमती उषा पिल्लई की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कम्पनी मुख्यालय स्थित डंगनिया औषधालय में पदस्थ अतिरिक्त मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. श्रीमती उषा पिल्लई की सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। मानव संसाधन एवं औषधालय में आयोजित विदाई कार्यक्रम में होल्डिंग कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री हरीश पाण्डेय ने उन्हें प्रतीकात्मक भेंट देकर उनके सुखमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम में डॉ. पिल्लई ने सेवायात्रा में मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री ए.के. सत्संगी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री एच.एल. पंचारी, डॉ. के.एस. छाबड़ा, डॉ. निलेश सिंह, उपमहाप्रबंधक डॉ. अल्पना शरत तिवारी एवं के.एस.भारती सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

हंसदेव बांगो जल विद्युत गृह में सर्वाधिक मासिक उत्पादन का कीर्तिमान

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी के हंसदेव बांगो जल विद्युत गृह ने माह अगस्त 2020 में 87.743 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन कर अपने जीवन काल में सर्वाधिक मासिक विद्युत उत्पादन का कीर्तिमान रचा।

साथ ही 98.278 प्रतिशत केपिसिटी यूटीलाइजेशन फैक्टर अर्जित किया, जो कि विगत 25 वर्षों के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ सी यू एफ होने की मिसाल है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने पावर कंपनीज के चेयरमैन श्री सुब्रत साहू एवं जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एन. के. बिजौरा सहित उनकी टीम को बधाई दी।

पावर कंपनीज के चेयरमैन श्री सुब्रत साहू ने इस अभूतपूर्व उपलब्धि का श्रेय हसदेव बांगो जल विद्युत गृह में सेवारत अधिकारियों कर्मचारियों की कर्तव्य निष्ठा और अथक परिश्रम को दिया। इसी क्रम में जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री बिजौरा ने बताया कि हंसदेव बांगो जल विद्युत गृह ने पूर्व में वर्ष 2011 के माह अक्टूबर में सर्वश्रेष्ठ कार्य निष्पत्ति का प्रदर्शन करते हुए 82.611 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन सहित 92.53प्रतिशत सी यू एफ दर्ज किया था। वर्तमान में कोरोनावायरस के संक्रमण से बचाव के लिए जूझते हुए प्रतिकूल परिस्थितियों में भी कर्मियों ने अपनी उत्कृष्ट कार्य दक्षता के बूते पिछले रिकॉर्ड को तोड़ते हुए अधिकतम मासिक विद्युत उत्पादन किया।

विदित हो कि वर्ष 1994-95 में इस जल विद्युत गृह में 40, 40 मेगावाट क्षमता की तीन विद्युत इकाइयों की स्थापना की गई थी। तब से लेकर अब तक के अपने जीवन काल में इन ईकाईयों ने चालू वित्तीय वर्ष के माह अगस्त में अधिकतम मासिक विद्युत उत्पादन कर एक नई मिसाल को प्रदर्शित किया है। जनरेशन कंपनी की यह सबसे बड़ी जल विद्युत इकाई है। किफायती दर पर विद्युत उत्पादन के लिए देश के सर्वश्रेष्ठ जल विद्युत गृह होने का गौरव भी इसे प्राप्त है।

मगरलोड से गरियाबंद तक 35 किलोमीटर लम्बी अतिउच्चदाब लाईन ऊर्जीकृत

छत्तीसगढ़ में गुणवत्तापूर्ण-निर्बाध बिजली पहुंचाने के लिए पारेषण लाइनों का विस्तार करने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने प्रगति की गति को सतत बनाये रखा है। इस पथ पर आगे बढ़ते हुए 5 करोड़ की लागत से निर्मित अति उच्च दाब लाईन को ऊर्जीकृत करने में एक बड़ी कामयाबी 04 सितम्बर 2020 को मिली। मगरलोड से गरियाबंद तक खींची गई 132 किलोवॉट की 35 किलोमीटर लम्बी अतिउच्चदाब (ईएचटी) लाईन को 04 सितम्बर 2020 को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया।

प्रदेश में बिजली डिमांड बढ़ने को ध्यान में रखते हुए कम्पनी द्वारा नई अतिउच्च दाब (ईएचटी) लाईनों, उपकेंद्रों का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है, जिसकी मानिटरिंग मुख्यालय स्तर पर की जा रही है। उक्त जानकारी ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अशोक कुमार ने दी। आगे उन्होंने ने बताया कि सूदूर ग्रामीण वनांचलों तक गुणवत्ता पूर्ण बिजली पहुंचाने हेतु विद्युतकर्मी कोरोना संक्रमण काल में भी मुस्तैदी से काम कर रहे हैं। नव ऊर्जीकृत ईएचटी लाईन का लाभ 225 गांव के रहवासियों को मिलेगा। यह लाइन गरियाबंद जिले के लिए लाइफ लाईन की भांति वरदान सिद्ध होगी। वर्तमान में गरियाबंद क्षेत्र हेतु एकमात्र 132 के वी ईएचटी पारेषण लाईन थी, जो घने जंगल से होकर जाती थी।

सघन वनांचल होने के कारण आंधी-तूफान जैसे कारणों से विद्युत व्यवधान होने की स्थिति में विद्युत आपूर्ति लंबे समय तक प्रभावित हो जाती थी। इस लाईन के ऊर्जीकृत होने से वहां अब 132 केवी की दो ईएचटी लाईन हो गई, जिससे व्यवधान होने की आशंका नहीं के बराबर हो गई है।

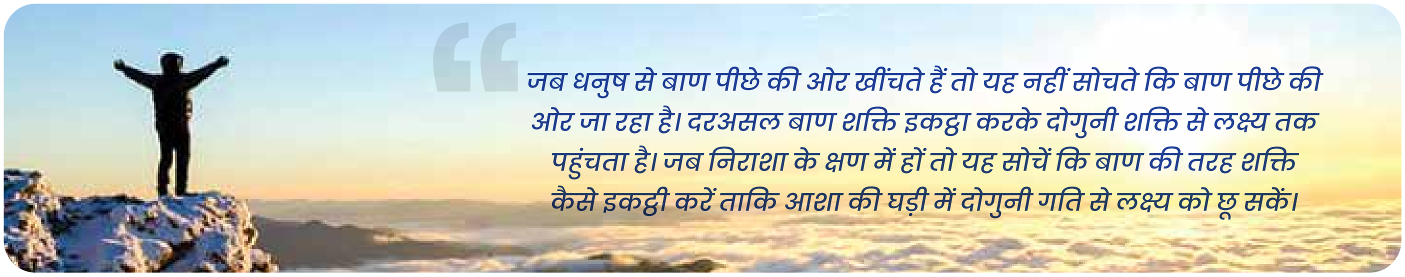

पुलगांव ईएचटी उपकेंद्र में 40 एम.व्ही.ए. का अतिरिक्त ट्रांसफार्मर क्रियाशील

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी ग्रामीण और कृषि क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए प्राथमिकता के साथ काम कर रही है। इसी कड़ी में पुलगांव के 132/33 के.व्ही सब-स्टेशन में 40 एम.व्ही.ए. का नया अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इस ट्रांसफार्मर की स्थापना से दुर्ग तथा ग्रामीण क्षेत्र में आपात स्थिति में भी निर्बाध बिजली मिल सकेगी। इस क्षेत्र में उद्योग एवं कृषि पंप कनेक्शन हैं, जिनके लिए अधिक लोड की जरूरत पड़ती है, जिसके कारण ट्रांसफार्मर पर लोड भी पड़ता है।

पुलगांव के इस ट्रांसफार्मर को छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अशोक कुमार और वितरण कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल की उपस्थिति में क्रियाशील किया गया। पुलगांव के इस 132/33 के.व्ही.सब-स्टेशन से 7 नग फीडर को बिजली सप्लाई होती है। इनमें दुर्ग और ग्रामीण सर्कल के बड़े क्षेत्र आते हैं। क्षेत्र में बड़ी संख्या में कृषि कनेक्शन हैं। यहां पर राइस मिलें भी स्थित हैं। पुलगांव 132/33 सबस्टेशन में पहले 40 एम.व्ही.ए. का एक ट्रांसफार्मर था। राज्य सरकार की प्राथमिकता के आधार पर वहां अब 4 करोड़ 7 लाख रुपए की लागत से नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया है।

इस मौके पर कार्यपालक निदेशक श्रीपी. के गुप्ता, श्री एम. ए.अंसारी, अधीक्षण अभियंता श्री एस.आर.बांधे, श्रीव्ही. आर मौर्या, श्रीपी. पी सिंह, श्री भुआर्य, श्री एडी टंडन, श्री एस. के.वर्मा श्री लोन्हारे सहित इंजीनियर एवं कर्मचारी मौजूद थे।

राजनांदगांव में लाईन कर्मियों हेतु सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम

राजनांदगांव संभाग के कैलाश नगर स्थित कार्यालय में सुरक्षा जागरूकता को लेकर आयोजित प्रशिक्षण सत्र मे विभिन्न वितरण केन्द्र के लाइनकर्मी सम्मिलित हुए। राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री टी. के. मेश्राम द्वारा जारी दिशा-निर्देशानुसार राजनांदगांव एवं कवर्धा जिले के सभी जोन, उपसंभाग एवं वितरण केन्द्रों में कार्यरत्त विद्युत कर्मियों को सुरक्षा से संबधी जानकारियां दी जा रही हैं। प्रशिक्षण सत्र में कार्यपालन अभियंता श्री व्ही. आर. के. मूर्ति एवं विद्युत निरीक्षक (सुरक्षा) श्री कौशिक ने सुरक्षा उपायों के पालनार्थ फील्ड में सुरक्षित ढंग से कार्य करने के टिप्स दिए।

उन्होंने कहा कि लाइन में कार्य करते समय सुरक्षा उपकरणों का उपयोग अवश्य करें। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता श्री मूर्ति ने उपस्थित विद्युत कर्मियों से कहा कि विद्युत लाइनों पर कार्य करने के पूर्व विधिवत परमिट लेकर सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग करते हुए एबी स्वीच को ओपन कर लाइन को डिस्चार्ज कर लेवें, और यह भी सुनिश्चित कर लेवें कि किसी अन्य उपकेन्द्र से इस लाईन पर विद्युत प्रदाय तो नही किया जा रहा है यदि ऐसा है तो उसे दूसरे छोर से भी नो बैकफीड परमिट अवश्य ले तथा लाइन को बंद करावें। मोबाइल के माध्यम से कदापि परमिट ना लें।

कार्य क्षेत्र में सुरक्षा उपकरणो जैसे डिस्चार्ज राड, सेफटी बेल्ट, हेलमेट, दस्तानों आदि के प्रयोग कर ही कार्य को संपादित करें। इस अवसर पर सहायक अभियंता श्री एम. के. शुक्ला, कनिष्ठ अभियंता श्रीमती सोमी खोब्रागढे, श्रीमती नेहा गढपायले एवं श्री उत्तम साहू सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

एबीवीटीपीएस से सेवानिवृत्त कर्मियों की विदाई

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह जांजगीर से अगस्त माह में वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री बसंत राम साहू एवं कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री बलदाऊ सिंह की सेवानिवृत्ति पर उन्हें पावर कंपनी परिवार की ओर से भावभीनी विदाई दी गई। मुख्य अभियंता श्री आरके श्रीवास ने उन्हें स्मृति चिह्न व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र भेंट किया तथा उनके सुखमय जीवन की कामना की।

कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री एच के पाण्डेय

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी के मानव संसाधन विभाग में पदस्थ कार्यपालक निदेशक श्री हरीश कुमार पाण्डेय का जन्म 10 नवम्बर 1958 को रीवा में हुआ। अपनी माता श्रीमती शांति देवी पांडेय एवं पिता श्री उदयभानु प्रसाद पांडेय के मार्गदर्शन एवं उनसे प्राप्त सुसंस्कारों से जीवन में आगे बढ़ते हुए आपने वर्ष 1974 में हायर सेकेण्डरी तथा वर्ष 1979 में बीई की डिग्री रीवा मध्यप्रदेश से प्राप्त की। इसके साथ ही वर्ष 2000 में आपने पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन का कोर्स भी किया है।

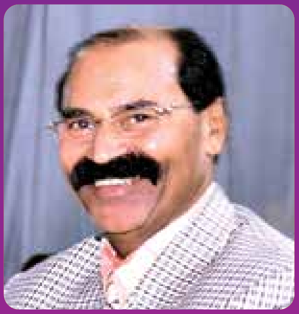

विद्या अध्ययन की पूर्णता के उपरांत वर्ष 1980 से मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल में ग्रेजुएट ट्रेनी के रूप में आपने भोपाल/इटारसी से अपनी सेवायात्रा आरंभ की। आगे वर्ष 1981 में सहायक अभियंता एवं वर्ष 1999 में कार्यपालन अभियंता तथा 2010 में अधीक्षण अभियंता के पद पर आपको पदोन्नति प्राप्त हुई। इन पदों पर आपने भोपाल, भिलाई तथा रायपुर मुख्यालय में अपनी सफलतम सेवाएं दी। आगे वर्ष 2017 में आपको अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। इस पद पर आपने वितरण कंपनी के मानव संसाधन विभाग तथा मुख्य अभियंता वाणिज्य कार्यालय में अपनी सफलतम सेवाएं दी।

सेवायात्रा में अनवरत आगे बढ़ते हुए आपको अक्टूबर 2018 में मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। आपकी पदस्थापना नवसृजित क्षेत्रीय मुख्यालय रायगढ़ में की गई। रायगढ में सेवा देते हुए आगे आपका स्थानांतरण पॉवर होल्डिंग कंपनी मुख्यालय में महाप्रबंधक (मानव संसाधन) के पद पर किया गया। इस पद पर कार्यरत रहते हुए आपको जनवरी 2020 में कार्यपालक निदेशक के शीर्ष पर पदोन्नति प्राप्त हुई।

अपनी सेवायात्रा के दौरान पारेषण कंपनी में अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए वर्ष 2004 से 2016 के मध्य अतिउच्चदाब उपकेन्द्रों के निर्माण की कार्ययोजना/वित्तीय सहायता के लिए पीएफसी/आरईसी/नाबार्ड के साथ 12 वर्षों तक सतत कार्य किया। प्रदेश में संचालित 122 अतिउच्च दाब उपकेन्द्रों सहित 12804 सर्किट किलोमीटर अति उच्चदाब पारेषण लाईन के निर्माण, विस्तार आदि की कार्ययोजना को साकार करने सहित कोण्डागांव संभाग में सौभाग्य योजना के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। चार दशक की अपनी सेवायात्रा में आपने पारेषण, वितरण फाईनेंस, मानव संसाधन, योजना आयोग, वाणिज्य, जनरेशन संबंधी कार्यों का भी सफलतापूर्वक निष्पादन किया। अपनी सफलता का मूल मंत्र आप कठिन परिश्रम को मानते हैं। आपकी विशेष अभिरूचि संगीत एवं धार्मिक पुस्तकों के अध्ययन में है।

रायपुर शहरी क्षेत्र में बिजली बिल भुगतान हेतु 15 कॉमन सर्विस सेंटर शुरू

राज्य सरकार की रीति-नीति को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज द्वारा बिजली उपभोक्ताओं की सेवा सुविधा में सुधार हेतु "न्यू टेक्नालाजी" सहित सरल प्रक्रियाओं-प्रणालियों को अपनाने कारगर पहल की गई है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए ग्रामीण क्षेत्रों की भांति शहरी क्षेत्र में भी बिजली बिल भुगतान हेतु कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) शुरू किये गये हैं। रायपुर शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए 15 सीएससी की शुरूआत की गई है।

इन सेंटरों में बिल भुगतान करने हेतु किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाता। उपभोक्ता सेवा में यह पूरी तरह से निःशुल्क सुविधा है। यहां नगद बिजली बिल जमा करने वाले उपभोक्ताओं की राशि सीधे पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के खाते में चली जाती है तथा उपभोक्ता को पावती दी जाती है। सीएससी सेंटर से प्राप्त पावती पर छपे क्यू आर कोड को स्केन करके बिजली भुगतान की सत्यता की जांच उपभोक्तागण सहजता से कर सकते हैं।

पॉवती को स्केन करने पर बिल भुगतान का विवरण दिखाई देता है। किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी, फर्जी होने की स्थिति में उपभोक्तागण पॉवर कंपनीज के केन्द्रीकृत कॉल सेंटर '1912' पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। उपभोक्तागण किसी भी स्मार्ट फोन में 'क्यू आर' स्केनर को फ्री डाउनलोड कर सकते हैं।

रायपुर शहर में स्थापित सी.एस.सी. सेंटर

रायपुर शहर के नगर संभाग पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, मध्य एवं संचारण-संधारण संभाग उरला के अन्तर्गत सिविल लाइन, शंकरनगर, दलदल सिवनी, टिकरापारा, लाखे नगर, दीनदयालउपाध्याय नगर, गुढ़ियारी, खमतराई 33/11 के.व्ही. उपकेन्द, टाटीबंध, पुरैना, नयापारा, बुढ़ापारा,शास्त्री चौक, गंज एफओसी सेंटर, गाजीनगर 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र में कॉमन सर्विस आरंभ किये गये है।

श्री मनोज बजाज "इंजीनियर ऑफ द ईयर अवार्ड" से अंलकृत

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के इनर्जी इनफोटेक सैटर में पदस्थ कनिष्ठ अभियंता श्री मनोज बजाज को "इंजीनियर ऑफ द ईयर 2020" अवार्ड से अलंकृत होने का गौरव प्राप्त हुआ। राज्य स्तरीय यह पुरस्कार उन्हे पॉवर कंपनी की बहुपयोगी मोबाइल ऐप "मोर बिजली ऐप" को विकसित करने, उपभोक्ता सेवाएं हेतु कंपनी के सॉफ्टवेयर को बेहतर बनाने के लिए प्रदान किया गया।

प्रेक्टिशिंग इंजीनियर्स वेलफेयर एसोसिएशन सहित अभियंताओं के संयुक्त आयोजन में राज्य के उक्त बहुप्रतिष्ठित अवार्ड से श्री बजाज को राजधानी रायपुर के महापौर श्री एजाज ढेबर, पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री शैलेश नितिन त्रिवेदी, नगर निगम के सभापति श्री प्रमोद दुबे, मुख्य अभियंता नीलकांत अग्रवाल ने विभूषित किया।

कंपनी के मोर बिजली ऐप को अब तक 4 लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने डाउन लोड किया है। इसके अतिरिक्त प्रतिभाशाली अभियंता श्री मनोज बजाज द्वारा कंपनी के अधिकारियों के लिए प्रकाश मोबाइल ऐप, उपभोक्ताओं की शिकायत को दर्ज करने और निराकरण करने के लिए प्रकाश सॉफ्टवेयर, कंपनी के लिए डै गेटवे आदि कई उल्लेखनीय कार्य किये गये।

भारी भरकम ट्रांसफार्मर को कंधे पर लादे डेढ़ किलोमीटर चले बिजली कर्मी

कृषि पम्प ऊर्जीकरण हेतु "ट्रांसफार्मर फॉर फार्मर" कार्य में तेजी- श्री गौतम

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज द्वारा प्रदेश में खेती किसानी के कार्यो को उन्नत बनाने की दृष्टि से कृषि पम्प ऊर्जीकृत कार्यो का निपटारा तेजी से किया जा रहा है। किसानों के हित में कंपनी ने "ट्रांसफार्मर फॉर फार्मर" अर्थात जहां जहां फार्मर वहां-वहां ट्रांसफार्मर" को अपना लक्ष्य बनाया है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए फेलुअर टांसफार्मर को बदलने, टुटे खंभे लाइनों की मरम्मत का कार्य जल्द से जल्द पुरा करने विद्युतकर्मी कठिन परिस्थितियों में भी तत्पर सेवायें दे रहे हैं।

विद्युत कर्मियों-श्रमिकों ने नाव के सहारे जहां बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में विद्युत उपकरणों का परिवहन किया वहीं नरहरपुर वितरण केन्द्र के ग्राम बरेठिन बहरा के फेल ट्रांसफार्मर को बदलने के लिए भारी भरकम ट्रांसफार्मर को कंधे पर लादे हुए खेतों मे भरे फसलों के बीच कीचड़ से लथपथ करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी चलकर ऊर्जीकरण के कार्य को पूरा किया। विद्युतकर्मियों के उक्त कार्य को एम ड़ी (ट्रांसमिशन) श्री अशोक कुमार ने "हर्कुलस जॉब" की संज्ञा दी और कार्यपालन अभियंता श्री ए.के. सिद्धकी सहित उनकी टीम की कार्यदक्षता को सराहा।

खेती किसानी के कार्यो में बिजली व्यवधान रूकावट ना बने इस ओर पॉवर कंपनी ने विशेष ध्यान केन्द्रित किया है। इस बाबत मैदानी अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा भी कड़ी कवायद की जा रही हैं। बरेठिन बहरा ग्राम के फेल ट्रांसफार्मर को बदलने हेतु धान उगे खेतों में टेक्टर अथवा ट्रक के बूते ट्रासंफार्मर पहुंचाने से खेती किसानी कार्य-फसलों को बड़ी क्षति पहुंचती। ऐसी स्थिति में विद्युतकर्मियों -श्रमिकों ने कंधे पर लादकर ट्रांसफार्मर को स्थल तक पहुंचाया और पम्प ऊर्जीकृत लाइन के लिए क्रियाशील करने का सराहनीय कार्य किया। ऐसी जुझारू कार्य प्रवृत्ति को बनाये रखने हेतु प्रबंध निदेशक श्री हर्ष गौतम ने मैदानी अधिकारियों से वीडियों कांफ्रेसिग द्वारा चर्चा करते हुए उन्हें प्रेरित किया।

पॉवर कंपनी के ईडी श्री वर्मा-श्री सिंह की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन एवं ट्रांसमिशन कंपनी में लगभग चार दशक की सेवायात्रा को पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए कार्यपालक निदेशक द्वय सर्वश्री राम अवतार वर्मा एवं ओमप्रकाश सिंह सहित अन्य सेवानिवृत्तजनों को कंपनी मुख्यालय में 30 सितम्बर 2020 को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर चेयरमेन श्री सुब्रत साहू ने शुभकामना संदेश में व्यक्त किया कि देश के मानचित्र पर विद्युत उत्पादन एवं पारेषण के मामलें में छत्तीसगढ़ अग्रणी राज्य के रूप में परिलक्षित हो रहा है। इसका श्रेय दीर्घ अनुभवी सेवानिवृत्त हो रहे अभियंताओं/कर्मचारियों के बहुमूल्य योगदान को भी जाता है। कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के उपायों का अनुपालन करते हुए आयोजित एक सादे कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पॉवर कम्पनीज के प्रबंधक निदेशक सर्वश्री हर्ष गौतम, एन.के. बिजौरा, राजेश वर्मा ने सेवानिवृत्त वरिष्ठ अभियंताओं को कंपनी की ओर से देय प्रतीकात्मक भेंट, प्रमाण पत्र प्रदान कर शुभकामनाओं की अभिव्यक्ति दी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए पॉवर कंपनी के अतिरिक्त महाप्रबंधक जनसम्पर्क श्री विजय मिश्रा ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

साजा संभाग के 86 किसानों को नया पंप विद्युत कनेक्शन

दुर्ग क्षेत्र के साजा संभाग के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 में 86 किसानों को नया पंप विद्युत कनेक्शन प्रदान किया गया। इसमें ग्राम धोबीखपरी, भोजेपारा, अतरझोला, बुधवारा, परसबोड़, सिंघनपुरी, देउरगांव, गाड़ाभाठा, करही, लालपुर, बरगड़ा, माटरा, बचेड़ी, भरदालोधी, बिरनपुर, बोरतरा, बुंदेली, चेचानमेटा, चिखला, चोरभट्ठी, दनिया, देवरबीजा, ढाप, गाड़ाडीह, केहका, कुम्हीगुड़ा, लुक, मासुलगोंदी, मुड़िया, मुंगलाटोला, परपोड़ी, पातरझोरी, पथर्रीखुर्द, राखी, सोहागपुर, सुवरतला, सांकरा, नेवनारा, कोटा, बेरला, खंगारपाट, कुसमी, खर्रा, बोरिया, भिंभौरी, करेली, कोहड़िया, मुड़पारकला, तारालीम, लेंजवारा के किसान शामिल हैं।

ऊर्जीकृत कृषि पंप को अपनी प्रगति के लिए अत्यधिक सहायक बताते हुए ग्राम गाड़ाभाठा के किसान श्री पाल सिंग बघेल, श्री संतोष कुमार साहू ने कहा कि कृषि पंप में स्थायी विद्युत कनेक्शन मिल जाने से अब एक से अधिक फसल उगा सकेंगे। इससे हमारे परिवार आर्थिक रूप से समृद्ध होंगे। किसानों के हित में राज्य शासन के दिशा-निर्देशानुसार उठाये गये कदम से मिल रहे लाभ को बताते हुए उन्होंने कहा कि पहले अस्थायी कनेक्शन होने से केबल का खर्चा भी अधिक होता था और वोल्टेज की भी समस्या रहती थी परंतु अब पर्याप्त वोल्टेज से सिंचाई अच्छे से कर पा रहे हैं।

सहायक अभियंता श्री रविरंजन ने बताया कि साजा संभाग की लो-वोल्टेज की समस्या के निवारण हेतु 11 के.व्ही. पंप फीडरमें 30 नग कैपेसिटर बैंक की स्थापना की गई है जिससे किसानों को लो-वोल्टेज की समस्या से मुक्ति मिली है।

पानी दूर करे परेशानी

शरीर को सुचारू रूप से चलाने के लिए वायु की तरह पानी का भी महत्वपूर्ण स्थान है। मानव शरीर में 70% पानी तथा शेष 30% ठोस है। बिना पानी कोई प्राणी जिंदा नहीं रह सकता इसीलिए शास्त्रों में पानी को अमृत माना गया है। पानी एक औषधि की तरह काम करता है और शरीर को रोगमुक्त रखता है। शरीर का तापमान बढ़कर असामान्य ना हो जाए इसका ध्यान शरीर में पानी ही रखता है। पानी कम पीने से मनुष्य का शरीर विविध प्रकार के रोगों का घर बन जाता है, अतः जी भर कर पानी पीएं और जी भर कर जीएं।

पॉवर कंपनी से ईडी श्री मोडक की भावीभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनीज के कार्यपालक निदेशक पद से सेवानिवृत्त हुये श्री पी.पी.मोडक को 31 अक्टूबर को भावभीनी विदाई दी गई। विद्युत सेवाभवन में आयोजित कार्यक्रम में पॉवर कंपनीज के प्रबंध निदेशक सर्वश्री अशोक कुमार, एन.के. बिजौरा, राजेश वर्मा ने कार्यपालक निदेशक श्री प्रदीप प्रभाकर राव मोडक को पदक, प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समारोह को संबोधित करते हुए जनरेशन कंपनी के एम.डी. श्री बिजौरा ने कहा कि श्री मोडक ने जनरेशन कंपनी के नये विद्युत गृह मड़वा के निर्माण से क्रियाशील करने के कार्यों में उल्लेखनीय योगदान दिया। इसी क्रम में एम.डी. (टेªडिंग) श्री वर्मा ने श्री मोडक के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में सेवानिवृत्त हो रहे कार्यपालक निदेशक श्री मोडक ने उच्चाधिकारियों से मिले सहयोग को अपनी सफलता का आधार बताया तथा अपनी अर्जित कामयाबी का श्रेय टीमवर्क को दिया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रकाशन अधिकारी श्रीमती अनामिका मंडावी ने किया।

माह अक्टूबर के बीते पखवाड़े में टूटा गतवर्ष का कीर्तिमान

जनरेशन कपंनी के जल विद्युत गृहों में 345.42 मिलीयन यूनिट विद्युत उत्पादन

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी की जल विद्युत गृहों ने अपने पिछले वर्ष के रिकार्ड को तोड़ते हुए अधिकतम विद्युत उत्पादन का कीर्तिमान दर्ज किया। चालू सत्र के माह अक्टूबर के प्रथम पखवाड़े में जनरेशन कंपनी की कुल चार जल विद्युत परियोजनाओं द्वारा अब तक 345.42 मिलीयन यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन किया गया। जबकि पिछले साल इसी अवधि में 180.04 मिलीयन यूनिट बिजली का ही उत्पादन हुआ था।

जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एन.के.बिजौरा ने बताया कि कोरबा जिला में संचालित हसदेव बांगो प्रदेश की सबसे बड़ी जल विद्युत गृह है, जिसमें 40-40 मेगावाट क्षमता की 3 विद्युत इकाईयों ने पानी की भरपूर उपलब्धता के कारण अपनी उत्पादन क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इनके द्वारा 318.2 मिलीयन यूनिट बिजली का उत्पादन किया गया, जोकि बीते 12 वर्षो की तुलना में सर्वाधिक विद्युत उत्पादन की मिसाल है। प्रदेश में इस वर्ष लगातार हुई अच्छी बारिश के फलस्वरूप जनरेशन कंपनी के जल विद्युत गृहों को अधिकतम विद्युत उत्पादन करने के साथ-साथ सतत् रूप से संचालित होने का अवसर प्रदान किया।

जल विद्युत गृहों का तुलनात्मक विवरण

क्र.	जल विद्युत गृह	इकाईयां/क्षमता मेवॉ	8 अक्टूबर 2019	8 अक्टूबर 2020
01	हसदेव बांगो	3x40 = 120	159.46 मि.यू.	318.2 मि.यू.
02	गंगरेल	4x2.5 = 10	10.82 मि.य.	16 मि.यू.
03	सिकासार	2x3.5 = 07	6.27 मि.यू.	08 मि.यू.
04	हसदेव लघु-लघुत्तम	2x0.85 = 1.70	3.48 मि.यू.	3.1 मि.यू.

कल्पना के बाद उसे अमल करने पर ही लक्ष्य की प्राप्ति होती है।
सीढ़ियों को देखते रहना ही पर्याप्त नहीं है ऊपर जाने का लक्ष्य है
तो उन पर चढ़ना ही होगा।

परिचयावली

कार्यपालक निदेशक श्री मुश्ताक अहमद अंसारी

"लडाईयां हथियारों से नही, हौसलों से जीती जाती है " को अपने जीवन में मिली सफलताओं का मूल मंत्र मानते है, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (उपकेन्द्र-संचा/संधा) श्री मुश्ताक अहमद अंसारी। आपका जन्म 13 नवम्बर 1958 को लखनादौन जिला सिवनी (मप्र) में हुआ। अपनी वालिदा मरहूमा खातून बेगम तथा वालिद मरहूम शेख अब्बास से मिले संस्कार संग उत्कृष्ट मानवीय व्यवहारों को अपने जीवन में अमल में लाते हुए आप उन्नति के पद पर अनवरत अग्रसर है।

आपने अपनी हायर सेकण्डरी की परीक्षा वर्ष 1975 छिंदवाडा म.प्र से प्राप्त की तथा आगे बी ई की उपाधि वर्ष 1981 में जबलपुर से उत्तीर्ण की। शिक्षा की पूर्णता उपरान्त आपने अपनी सेवायात्रा की शुरूआत वर्ष 1982 में प्रशिक्षु के तौर पर जबलपुर (मध्यप्रदेश) एवं 400 के व्ही उपकेन्द्र खेदामारा से प्रारंभ किया। आगे वर्ष 1983 में सहायक अभियंता के पद पर आपकी पदस्थापना 400 केव्ही उपकेन्द्र खेदामारा मे हुई। सेवायात्रा में अपनी उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए आप आगे बढ़ते रहे। आपको वर्ष 2002 में कार्यपालन अभियंता, वर्ष 2010 में आपको अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। इन पदों पर आपने भिलाई, रायपुर में अपनी कार्यदक्षता को प्रदर्शित किया।

आगे वर्ष 2017 में आपको अतिरिक्त मुख्य अभियंता, वर्ष 2018 में मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। इन पदों पर आपने अतिउच्चदाब उपकेन्द्रों एवं लाईनों के संचारण-संधारण तथा निर्माण एवं योजना विषयक कार्यों में अपनी तकनीकी दक्षता का बेहतर प्रदर्शन किया। आपके ऐसे कार्यों का मूल्यांकन करते हुए कंपनी प्रबंधन ने वर्ष 2020 में आपको कार्यपालक निदेशक के शीर्ष पद पर पदोन्नति दी और आपकी पदस्थापना कंपनी मुख्यालय रायपुर में उपकेन्द्र-संचारण/संधारण कार्यालय में की गई।

इस पद पर पहुंचते हुए आपने अपने 37 वर्षों की सेवायात्रा में आपने प्रदेश की पारेषण प्रणाली को उन्नत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। आपने 10 ई एच वी ट्रांसफार्मर जो कि 30 वर्षों से अधिक पुराने थे के नवीनीकरण कार्य, छत्तीसगढ़ पारेषण कंपनी के नेटवर्क को मजबूत बनाने हेतु फाइबर ऑप्टिक टर्मिनल इक्विपमेंट (एफओटीई) के साथ ऑप्टिक फाइबर ग्राउन्ड वायर (ओ.पी. जी.डब्लू.) नेटवर्क की डिजाइन कार्य, छत्तीसगढ राज्य गठनोपरान्त पॉवर लाइन कैरियर कम्यूनिकेशन (पीएलसीसी) नेटवर्क का छत्तीसगढ़ भार प्रेषण केन्द्र के साथ री-ओरिएन्ट जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का कुशलतापूर्वक निवर्हन आपने किया। कार्यालीन कार्य के अलावा आपकी विशेष अभिरूचि आर्किटेक्चर एवं फार्माकोलाजी (औषध विज्ञान) में है।

उतई उपकेंद्र में नया फीडर चार्ज

दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत ऊतई उपकेंद्र में मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत 08 लाख 60 हजार रुपए की लागत से 11 के.व्ही. का नया फीडर चार्ज किया गया है। उतई सबडिविजन के सहायक अभियंता श्री राजेन्द्र कुमार चन्द्राकर ने बताया कि ऊतई उपकेंद्र से निकलनेवाली 11 के.व्ही. नेवई फीडर से ग्राम डूंडेरा, जोराताराई, सीआईएसएफ कॉलोनी, नेवईभाठा एवं मरोदा के लगभग 1800 उपभोक्ताओं को विद्युत सप्लाई दी जा रही थी। गर्मी के समय अधिक भार हो जाने के कारण नेवई फीडर में बारंबार ट्रिपिंग की समस्या हो रही थी। उन्होंने बताया कि बरसात के समय ब्रेक डाउन होने पर फॉल्ट ढूंढने व सप्लाई नार्मल करने में ज्यादा समय लगता था।

उपरोक्त समस्याओं को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत 08 लाख 60 हजार रुपए की लागत से ऊतई उपकेंद्र से एक अतिरिक्त 11 के.व्ही. का वीसीबी (वैक्यूम सर्किट ब्रेकर) व लगभग 17 पोलमें 11 के.व्ही. की डबल सर्किट लाइन डालकर एक नया फीडर निकाला गया है। नए निकलने वाले फीडर से ग्राम डून्डेरा, सीआईएसएफ कॉलोनी, जोरा तराई तथा पुराने 11 के.व्ही. फीडर से नेवईभाठा तथा मरोदा को विद्युत सप्लाई दी गई है। इस प्रकार दोनों फीडर की लंबाई कम हो गई है।

एचटीपीएस क्षेत्र में पांच हजार फलदार पौधे रोपने पहल

कोरबा पश्चिम के हसदेव ताप विद्युत गृह में हरियाली बढ़ाने के लिए वन विकास निगम की औद्योगिक वृक्षारोपण मंडल कोरबा व ताप विद्युत गृह के संयुक्त प्रयासों से फलदार बेल, कटहल, बादाम, अमरूद के पौधे लगाए जा रहे हैं। यहां पांच हजार फलदार एवं अन्य पेड़ तैयार करने का लक्ष्य है। विद्युत गृह क्षेत्र में सीडब्ल्यू पंप हाउस के पास एवं एमएचपी के पीछे राखड़ भराव क्षेत्र में मुख्य अभियंता श्री एसके मेहता, क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी श्री आरआर. सिंह, द्वारा पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री मेहता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पॉवर कंपनी लगातार कारगर कदम उठाते आ रही है, फलस्वरूप कोरबा पश्चिम के चारो ओर हरियाली फैली हुई है। क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी श्री सिंह ने कहा कि पावर कंपनी के पर्यावरण संरक्षण इन प्रयासों की जितनी सराहना की जाए, वह कम है। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री बीडी बघेल, एसके नायक, पंकज कोले, रजनीश जैन, बीके भगत, संदीप श्रीवास्तव और राजू लहरी, आरके टिकरिहा, मुख्य रसायनज्ञ जेआर वर्मा द्वारा भी पौधे रोपे गए।

सिविल वृत्त के उद्यानिकी विभाग की अगुवाई में यह पौधरोपण किया गया। वन विकास निगम कोरबा मंडल इन फलदार पौधों की देखभाल पांच वर्षों तक करता रहेगा ताकि इनकी बढ़वार अच्छी तरह से हो सके। पौधरोपण कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ उद्यान विशेषज्ञ एसपी द्विवेदी एवं सहायक अभियंता चिंतामणी तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर वन विकास निगम के मंडल प्रबंधक श्री नेताम, डिप्टी डिविजनल मैनेजर सुश्री मोनिका एक्का, मुख्य रसायनज्ञ महेंद्र प्रसाद, कार्यपालन अभियंता संजय तिवारी, एमके रॉय और एसके पाठक ने भी भागीदारी दी।

विद्युत सब स्टेशन खंडसरा, दाढ़ी, बालसमुंद एवं बाबा मोहतरा में 53 लाख 43 हजार रूपए की लागत से कैपेसिटर

दुर्ग क्षेत्र के संचारण-संधारण संभाग बेमेतरा के अंतर्गत 33/11 के.व्ही. सब स्टेशन खंडसरा में 10 लाख 98 हजार रुपए की लागत से 1089 के.व्ही.ए.आर., दाढ़ी में 14 लाख 15 हजार रुपए, बालसमुंद में 14 लाख 15 हजार रुपए तथा बाबा मोहतरा में14 लाख 15 हजार रुपए की लागत से 1815 के.व्ही.ए.आर. का कैपेसिटर बैंक टेस्ट चार्ज किया गया। उपकेंद्रों में कैपेसिटर बैंक चार्ज होने से बेमेतरा के 53गांवों के लगभग 9400 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। विदित हो कि पंपों के इंडक्टिव(मोटर) लोड से प्रणाली पर अनावष्यक एम्पियर भार बढ़ता है और वोल्टेज कम(ड्राप) हो जाता है।कैपेसिटर बैंक के चालू होने से वोल्टेज एवं पॉवर फैक्टर में सुधार होगा और इससे लाईन लॉस में भी कमी आएगी।

दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने उक्त कार्य को सफलतापूर्वक संपादित करने पर अधीक्षण अभियंता श्री व्हीआर मौर्या, कार्यपालन अभियंता प्रोजेक्ट संभाग श्री हेमंत ठाकुर एवं उनकी पूरी टीम को बधाई प्रेषित की है। इस कार्य की पूर्णता से सबस्टेशन खंडसरा के अंतर्गत ग्राम पथरिया, चमारी, जालम, सेवाची, करचुआ, लावातरा, मरतरा, मोहतरा, रायचरा, सेमरिया, बंतापुर एवं घनाडीह तथा सब स्टेशन दाढ़ी के अंतर्गत ग्राम बटार, चिल्फी, कोदवा, गिधवा, सनकपाट, सुरंगबहेरा, मरजातपुर, बहरपोर, अगरी, देवगांव, मुरकी, कुरदा, हरबंधा एवं सबस्टेशन बाल समुंद के अंतर्गत ग्राम रौजपुर, खैरी, जोगीपुर, गुनरबोड़, मोहरेंगा, औसरी, धनेरी, बोरिया, बगौद, नयापारा, बाबाघटोली, आंड्र, घटोली, पुरान, सोनपुरी, बिरमपुर, बिटकुल, झिरिया, तुमा, उसलापुर और सबस्टेशन बाबा मोहतरा के अंतर्गत ग्राम ओइनाभाट, पीपरभट्ठा, तेंदुभाठा, धारा, नवलपुर, पेंड्री, नवागांव एवं खुड़मुड़ी के लगभग 9400 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

आशा अनंत ऊर्जा का स्त्रोत है सकारात्मक व्यक्ति हर परिस्थिति में अनुकूलता ढूंढ ही लेता है।
विकट हालातों से उबरने की यही सर्वोत्तम चाबी है।

कोरबा पूर्व से सेवानिवृत्तजनों की भावभीनी विदाई

डी.एस.पी.एम. ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व से सेवानिवृत्त हुए श्री बी.रविशंकर प्रसाद, कार्यपालन अभियंता, श्याम सुन्दर, सिविल परिचारक श्रेणी-दो, श्री रूपसाय, खानसामा सहित स्वैच्छिक सेवानिवृत्त हुए कार्यपालन अभियंता श्री विरेन्द्र शर्मा को भावभीनी विदाई दी गई। सेवानिवृतजनों को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर श्री एस.के.बंजारा, मुख्य अभियंता एवं अति. मुख्य अभियंता, श्री एच.के.गुप्ता, श्रीमती स्नेहलता एक्का ने अपनी शुभकामनाएं दी। सोशल डिस्टेन्स का पालन करते हुये अधीक्षण अभियंता, मुख्य रसायनज्ञ एवं वरि कल्याण अधिकारी एवं अधिकारी कर्मचारीगणों ने अपने विभागीय सेवानिवृत्त अधिकारियों का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन वरि.कल्याण अधिकारी, श्री एस.पी.बारले एवं आभार प्रदर्शन श्री पी.के.जोशी, अधीक्षण अभियंता द्वारा किया गया।

डाटा सेंटर तिफरा में 500 केव्हीए का नवीन ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

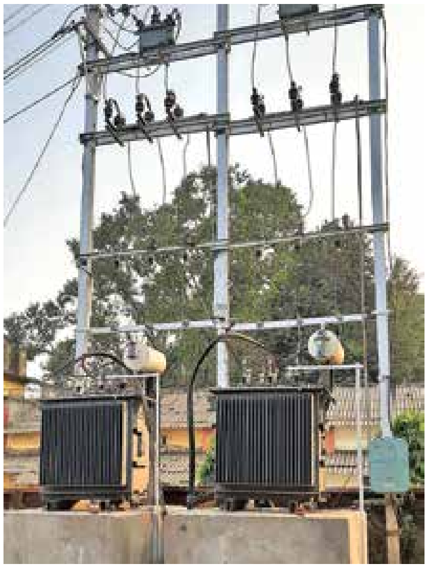

प्रदेश के शहरी एवं सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों की विद्युत प्रणाली को उन्नत बनाकर विद्युत उपलब्धता-सुविधा का लाभ उपभोक्ताओं को देने के साथ ही नवीन तकनीक को भी प्रोत्सहित किया जा रहा है जिसके तहत् रायपुर एवं बिलासपुर मे डाटा सेंटर (ई.आई.टी.सी.) की स्थापना की गई है, जहां पर उपभोक्ताओं से संबंधित जानकारी, सेप, जीआईएस, एएमआर एवं फील्ड से प्राप्त संपूर्ण डाटा सुरक्षित किया जाता है ताकि आवश्यकतानुसार उपयोग किया जा सके।

पॉवर कंपनी द्वारा डिजीटल तकनीक को बढ़ावा देने हेतु तिफरा स्थित डाटा सेंटर (ई.आई.टी.सी.) में निर्बाध एवं समुचित विद्युत की आपूर्ति बनाये रखने के उद्देश्य से आई.पी.डी.एस. के अन्तर्गत 500 के.व्ही.ए. का नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया है, जिससे विद्युत व्यवस्था एवं पॉवर प्रबंधन सुदृढ़ हो गयी है। बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने बताया कि विद्युत विकास के कार्यो को गति देने तथा उपभोक्ता सेवा सुविधा में वृद्धि का लक्ष्य लिए हुए डाटा सेंटर में नवीन ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता अमर चौधरी, आर.के.अग्रवाल, श्रीमती आरती साहू, सहायक अभियंता अजय सोनी एवं विद्युत कंपनी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

दुर्ग मे सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया

दुर्ग के क्षेत्रीय मुख्यालय में सतर्कता जागरुकता सप्ताह के अंतर्गत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने 27 अक्टूबर को भ्रष्टाचार उन्मूलन के साथ “सतर्क भारत- समृद्ध भारत” बनाने का संकल्प लिया। दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री विकास कुमार गुप्ता, अधीक्षण अभियंता श्री एच.के.मेश्राम, कार्यपालन अभियंता श्रीमती सनीली चौहान एवं निज सहायक श्री बी.एस.राजपूत सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में अपनी भागीदारी दी।

एबीवीटीपीएस में ग्रीन जोन बढ़ाने 10 हजार पौधारोपण का लक्ष्य

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा में ग्रीन जोन बढ़ाने के लिए वन विकास निगम की औद्योगिक वृक्षारोपण मंडल कोरबा व विद्युत गृह के संयुक्त प्रयासों से फलदार पौधे बादाम, आम, आंवला, जामुन और अन्य प्रकार के पौधे लगाए जा रहे हैं। यहां 10 हजार फलदार व विविध प्रकार के पौधे लगाए जाने का लक्ष्य है। आवासीय परिसर में इरेक्टर हॉस्टल के सामने प्रभारी मुख्य अभियंता श्री सुनील विश्वास एवं वन विकास निगम कोरबा मंडल की डिप्टी डिविजनल मैनेजर सुश्री मोनिका एक्का द्वारा पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया गया।

सिविल विभाग वृत्त-एक की टीम की देखरेख में अतिरिक्त मुख्य अभियंता टीएल देवांगन, राजाबाबू कोसरे, रजनीश जांगड़े, वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ आरके तिवारी और अधीक्षण अभियंता केसी अग्रवाल आदि ने भी पौधारोपण किया। वन विकास निगम कोरबा मंडल इन फलदार पौधों की देखभाल पांच वर्षों तक करता रहेगा ताकि इनकी बढ़वार अच्छी तरह से हो सके। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता रामजी सिंह, जीपी राय, कार्यपालन अभियंता एस. ओझा, केवीआर गिरीश, आरके नायक, सहायक प्रकाशन अधिकारी बसंत शाहजीत, सहायक प्रबंधक (पर्यावरण) संजय झा और उपनिरीक्षक (सुरक्षा) बलराम वस्त्रकार ने भागीदारी दी।

संकल्प महिला मंडल की नई कार्यकारिणी गठित

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में संकल्प महिला मंडल की वर्ष 2020-21 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन हुआ। इसमें श्रीमती मंजुला मेहता अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष सीमा नायक, सोनिया बघेल, अनिता श्रीवास्तव, सपना लहरी और ममता टिकरिहा बनाई गईं हैं। नवगठित कार्यकारिणी को मुख्य अभियंता एसके मेहता ने बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की है।

इसके अलावा सचिव के पद पर डॉ. सीमा तिवारी, संयुक्त सचिव सरिता राठौर, कोषाध्यक्ष प्रतिभा अग्रवाल, खेल सचिव सूर्यकांता कश्यप व मुस्कान तिवारी, सांस्कृतिक सचिव संगीता जैन व स्वाति सोनी चुनीं गईं हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम को ध्यान में रखते हुए संकल्प महिला मंडल ने कृष्ण सज्जा

एवं लड्डू गोपाल सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन ऑनलाइन कराया। इसमें आवासीय कॉलानी के बच्चों एवं महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कर्मशाला संभाग भिलाई में कोरोना जांच शिविर का आयोजन

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी भिलाई स्थित कर्मशाला संभाग में तीन दिवसीय कोरोना जांच शिविर का आयोजन स्वास्थ्य केंद्र भिलाई के सहयोग से किया गया, जिसमें कर्मशाला संभाग एवं कार्यालय अधीक्षण अभियंता (अति) उच्च दाब संचारण एवं संधारण के अधिकारियों कर्मचारियों के साथ ही संविदा एवं ठेका कर्मियों का परीक्षण किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत अधीक्षण अभियंता श्री पीपी सिंह ने स्वयं जांच करवाकर की। इसके साथ ही कर्मशाला के कार्यपालन अभियंता श्री एसके चौहान, सहायक अभियंता श्री अखिलेश गजपाल, पूनम भावनानी, कल्याण अधिकारी श्री टीपी शर्मा सहित श्री एके देवांगन एवं सभी कर्मचारियों द्वारा जांच में सहयोग दिया गया। उक्त शिविर के दौरान अधीक्षण अभियंता श्री पी पी सिंह ने कहा कि वर्तमान में स्वयं की सतर्कता ही बचाव का एकमात्र उपाय है इसलिए सभी कोविड 19 से बचने हेतु राज्य शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनिवार्यतः पालन करें। कर्मशाला के कार्यपालन अभियंता श्री चौहान ने फेस मास्क फेस शील्ड एवं सेनेटाइजर के उपयोग पर जोर दिया।

बिलासपुर क्षेत्र में कर्मियों की भावभीनी विदाई

बिलासपुर क्षेत्र से माह अक्टूबर 2020 में सेवानिवृत्त हुए सर्वश्री बृज लाल राठौर परिचारक श्रेणी एक, अशोक कुमार पॉल अनुभाग अधिकारी, रामचन्द्र दुबे अनुभाग अधिकारी, तितरा सिंह परिचारक श्रेणी एक, बेदराम लाईन सहायक श्रेणी एक, शिव कुमार जायसवाल लाईन सहायक श्रे.दो को भावभीनी विदाई दी गई।

बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने सेवानिवृत्तजन को प्रशस्ति पत्र, प्रतिकात्मक भेंट शाल, श्रीफल देकर उनके सुखमय जीवन की कामना की। साथ ही सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों के कार्यों को पावर कंपनी के विकास के लिए बहुमूल्य निरूपित किया। इस अवसर पर कार्यपालन यंत्री श्री अमर चौधरी, पी.आर.साहू, डी.के.विश्वकर्मा एवं कार्यालय के समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

गुण्डरदेही उपसंभाग के किसान स्थायी कृषि पंप से लाभान्वित

दुर्ग क्षेत्र के गुंडरदेही उपसंभाग के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 में 47 किसानों के पंप ऊर्जीकृत किये गये, जिसमें शामिल ग्राम परसतराई के किसान श्री पीजू राम देवांगन एवं ग्राम कांदुल के किसान श्री शोभा राम सिन्हा ने पम्प ऊर्जीकरण कार्य के पूर्णता हेतु राज्य सरकार एवं विद्युत कंपनी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्थायी पंप कनेक्शन के कारण अब सूखे की स्थिति का सामना करना नहीं पड़ेगा और विभिन्न फसलों के उत्पादन कर कृषक परिवार समृद्ध हो सकेगा।

राज्य सरकार की कृषि पंप योजना का लाभ ग्राम धनगांव, खुटेरी, चंदनबिहरी, देवगहन, परसवानी, कांदुल, खुरसुनी, परसतराई, चिरचार, टिकरी, बोरगहन, खपरवाड़ा, कुरदी, बेलौदी, चिचबोड़, सियनमरा, पसौद आदि ग्रामों के कृषकों को प्राप्त हुआ।कार्यपालन अभियंता श्री ए.डी. टंडन ने बताया कि गुंडरदेही उपसंभाग में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता को सुधारने हेतु मोहंदी पाट, भरदा कला, कोटगांव व सकरौद के 33 के.व्ही. उपकेन्द्रों में व्ही. सी.बी. लगाया गया है।

जन्म दिवस 15 अक्टूबर पर विशेष

डॉ. अब्दुल कलाम की कुछ प्रेरणादायक बातें

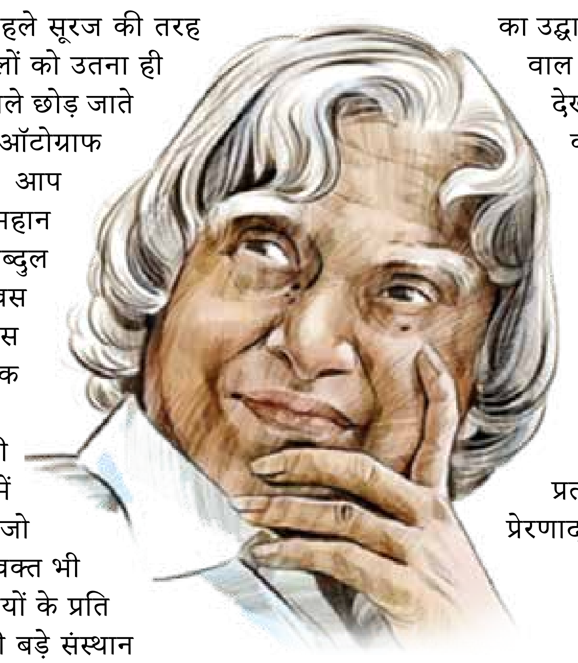

"सूरज की तरह चमकना है तो पहले सूरज की तरह जलना सीखें", "इंतजार करने वालों को उतना ही मिलता है जितना कोशिश करने वाले छोड़ जाते हैं।" "जिस दिन आपका दस्तखत ऑटोग्राफ में बदल जाये तो समझ लेना, आप कामयाब हो गए।" ये उद्धरण महान वैज्ञानिक राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम साहब के हैं। उनके जन्मदिवस को पूरे विश्व में विश्व विद्यार्थी दिवस के रूप में 15 अक्टूबर को प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है।

डॉ. अब्दुल कलाम ने वक्त की पाबंदी को सदैव अपने जीवन में महत्व दिया। उनका कहना था कि जो वक्त की कद्र नहीं करता, उसकी वक्त भी कद्र नहीं करता। वे मूक पशु पक्षियों के प्रति भी बड़े दयालु थे। एक बार किसी बड़े संस्थान का उद्घाटन करने वे पहुंचे थे, वहॉं संस्थान के बाउण्ड्री वाल में लगे हुए छोटे-छोटे कॉंच के टुकड़ों को देख कर उनका मन व्यथित हुआ। अपने मन की व्यथा को व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि बाउण्ड्री वाल पर लगाये गये कॉंच के नुकीले टुकड़ो से बेजुबान पशु-पक्षी जख्मी होते हैं, इसका अंदाजा भी लोगों को नहीं होता। डॉ. कलाम जी की ऐसी दूरदर्शिता एवं उदार हृदय की भावना समूचे मानव समाज के लिए अनुकरणीय है। उन्होनें लगभग 111 किताबें भी लिखीं हैं और उनकी प्रत्येक किताब अत्यंत ही प्रेरणादायक है।

डी. मल्लेशु
स्टॉफ ऑफिसर, ट्रांसमिशन कंपनी

पाटन उपकेन्द्र में कैपेसिटर बैंक टेस्ट चार्ज

भिलाई के अंतर्गत33/11 के.व्ही. सबस्टेशन पाटन में 1815 के.व्ही.ए.आर. का कैपेसिटर बैंकटेस्ट चार्ज किया गया। इससे पाटन क्षेत्र के लगभग 13 गांवों के 1042 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। कैपेसिटर बैंक के चालू होने से वोल्टेज एवं पॉवर फैक्टर में सुधार होगा, लाईन लॉस में भी कमी आएगी।

दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने बताया कि ग्राम सोनपुर, चिकोना, खम्हरिया, डंगनिया, तेलीगुण्डरा, भनसुली, खर्रा, जरवाय, पाटन, पंदर, कसही, गुजरा एवं मटिया के लगभग1042 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। अधीक्षण अभियंता श्रीव्ही.आर.मौर्या, कार्यपालन अभियंता प्रोजेक्ट संभाग श्री हेमंत ठाकुर एवं उनकी टीम द्वारा इस कार्य को संपादित किया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर विद्युतकर्मियों ने ली शपथ

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा में लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता आरके श्रीवास द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई। शपथ में राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा को बनाए रखने के लिए सत्यनिष्ठा से संकल्प लिया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता अरूण वर्मा, टीएल देवांगन, राजाबाबू कोसरे एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ आरके तिवारी, अधीक्षण अभियंता आरएल धुरल, रामजी सिंह, आरजी देवांगन, जीपी राय और कल्याण अधिकारी (प्रशिक्षु) आरएस टेकाम सहित अन्य उपस्थितजनों ने शपथ लिया।

दुर्ग में मनाया गया अभियंता दिवस

दुर्ग क्षेत्र में भारत रत्न डॉ.मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया के जन्म दिवस पर 15 सितंबर 2020 को अभियंता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने कार्यक्रम में डॉ. एम. विश्वेश्वरैया को नमन करते हुए सभी अभियंताओं को उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर श्री पटेल ने कहा कि दुनिया के हर क्षेत्र में इंजीनियरों ने अपना परचम लहराया है। आज बैल गाड़ी से लेकर रेलगाड़ी, ड्रोन से लेकर सेटेलाइट, पेट्रोल खनन से लेकर अल्ट्रासाउण्ड सोनोग्राफी की मशीन की डिजाइनिंग एवं निर्माण तक के कार्य भी अभियंताओं द्वारा ही संपन्न हो रहें हैं।

इसी क्रम में आगे अधीक्षण अभियंता श्री एस.आर.बांधे ने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए डॉ. मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया द्वारा किये गये अनेकों उत्कृष्ट कार्य हैं, जिनकी सूची काफी लंबी है। कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते हुए अधीक्षण अभियंता श्री व्हीआर मौर्या ने कहा कि डॉ. विश्वेश्वरैया ऐसे सृजनशील अभियंता थे जो सदैव देश-जनहित में उत्कृष्टता को महत्व देते थे। उनका कार्य सभी के लिए प्रेरणास्पद होता था। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारी सर्वश्री एच.के.मेश्राम, बी.के.बोरीकर, डी.के. भारती, ए.डी.टंडन, आर.के.चन्द्राकर, व्ही. के.डहरिया, मुरारी श्रीहरि, डी.के.सैनी, सतीश वर्मा, टी.एल.सहारे, डी.के.राले, जे.प्रसाद, एस.एस.बघेल, श्रीमती सनीली चौहान सहित अन्य उपस्थितजनों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दी।

उपभोक्ता दे सकेंगे "मोर बिजली एप" के स्माइली से सेवा को 'रेटिंग'

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी प्रदेश की बड़ी सेवाभावी संस्थान है। उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा देने हेतु मान. मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा कंपनी प्रबंधन को निर्देशित किया गया है। इसके अनुपालन में कंपनी द्वारा उपभोक्ता सेवा में नई प्रणाली को बढ़ावा देने कारगर पहल की गई है। "मोर बिजली मोबाइल एप" की सुविधा के माध्यम से बिजली कर्मियों के कार्यो के लिए उपभोक्तागण प्राप्त सेवा को स्माइली द्वारा अब रेटिंग के साथ ही अपने सुझाव भी दे सकेंगे। जिसका मूल्यांकन कर पॉवर कंपनी उपभोक्ता सेवा को और अधिक बेहतर बना सकेगी।

बिजली विभाग द्वारा जल्द विद्युत शिकायत सुधार कार्य कराने हेतु अंक आधारित नई व्यवस्था लागू की जा रही है। इसके द्वारा शहरी क्षेत्रों के किसी भी उपभोक्ता की बिजली बंद की शिकायत छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के द्वारा निर्धारित गाईड लाइन के अनुसार यदि चार घंटे में सुधरती है तो संबंधित अधिकारी को वह 10 अंक प्रदान कर सकेगा। इससे अधिक देरी होती है तो निर्धारित मापदण्ड के अनुसार अंक भी काट सकेगा। साथ ही साथ इस व्यवस्था में यह भी प्रावधान रखा गया है कि यदि निर्धारित समय से पहले शिकायत सुधरती है तो प्रोत्साहन स्वरूप बोनस अंक भी दिया जाएगा।

उपभोक्ता द्वारा "मोर बिजली मोबाईल एप' में शिकायत दर्ज होते ही समय प्रारंभ हो जावेगा। चार घंटों में शिकायत का निराकरण होने पर 10 अंक प्राप्त होंगे और चार घंटों से अधिक समय लगने पर अंक कट जावेंगे। अर्थात पांच घंटो में हुए निराकरण को 8 अंक, छः घंटों में 6 अंक आदि के क्रमानुसार घटते घटते शून्य अंक तक हो जावेंगे। इसी के साथ तत्परता से कार्य करने पर बोनस अंक भी प्राप्त होंगे। तीन घंटे में निराकरण होने पर 12 अंक, दो घंटे में निराकरण होने पर 14 अंक और एक घंटे हेतु 16 अंक का भी प्रावधान है। उपभोक्ताओ द्वारा प्रदत्त सेवा को रेटिंग" अब स्माइली के माध्यम से उपभोक्ताओं द्वारा दी जा सकती है। उत्कृष्ट, बहुत अच्छा अच्छा, साधारण, खराब के लिए क्रमशः 5 से 1 अंक दिए जा सकते हैं। कम अंक देने हेतु कारण बताने का अनुरोध भी है जिसके लिए उपभोक्ता टाइप करके कारण बता भी सकते हैं। यह व्यवस्था कर्मियों को स्वतः की कार्य पद्धति को और और अच्छा करने में भी सहायक हो सकेगी।

कवर्धा वृत्त से ईई श्री शर्मा की भावभीनी विदाई

कवर्धा वृत के अधीक्षण अभियंता कार्यालय में पदस्थ कार्यपालन अभियंता श्री अशोक कुमार शर्मा की सेवानिवृत्ति पर विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 40 वर्षो की सेवायात्रा पूरी कर सेवानिवृत्त हुए श्री शर्मा को कवर्धा वृत के अधीक्षण अभियंता श्री एस. के. दुबे द्वारा स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र प्रदान कर शुभकामनाए दी गई। कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता श्री के.एल. उईके, श्री एच. के. सूर्यवंशी, श्री एच.पी. गुप्ता, श्री आर. के. गोस्वामी, सहायक अभियंता श्री छगन शर्मा, श्री सुनील कुमार कंवर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

नवरात्रि पर्व का नृत्य धनुची

बंगाल में नवरात्रि पर्व के समय दुर्गा पूजा के दौरान किया जाने वाला लोकप्रिय नृत्य है धनुची। मिट्टी से बना हुआ बर्तन धनुची होता है जिसमें नारियल के छिलके जलाकर भक्तों के द्वारा हाथ में उसे पकड़े हुए मां दुर्गा की आरती की जाती है पश्चिम बंगाल में पुरुष और महिलाएं भक्ति भाव में डूबे हुए कभी-कभी नृत्य के दौरान दांतों में भी धनुची को दबाकर बेहद ही नियंत्रण और संतुलन के साथ धनुची नृत्य करते हैं।

हसदेव ताप विद्युत गृह से अधिकारी-कर्मचारियों को भावभीनी विदाई

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम से माह अगस्त एवं सितंबर 2020 में सेवानिवृत्त हुए अधिकारी-कर्मचारी सर्वश्री जॉन नेलसन, सुरेंद्र कुमार शर्मा, रूधीर कुमार, योगेश कुमार साहू, टिंगाली राम उरांव, सुदर्शन सिंह भारद्वाज, निकेत राम राठौर, नरेंद्र कुमार शुक्ला, बाबूलाल, नवधर प्रसाद राठौर, रामायण प्रसाद राठौर, सुधीर गार्डिया, नोक राजू और मुकुंद दास को पॉवर कंपनी की ओर से भावभीनी विदाई दी गई। मुख्य अभियंता श्री एसके मेहता, अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री बीडी बघेल, सुनील नायक, पंकज कोले, रजनीश जैन, संदीप श्रीवास्तव, बीके भगत एवं राजू लहरी के साथ कर्मचारियों को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र भेंट किया। मुख्य अभियंता श्री एसके मेहता ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों के दीर्घ एवं समर्पित सेवाकाल को पॉवर कंपनी के हित में बताते हुए उनके उज्जवल व सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी।

हमारे गौरव

श्री आकाश शर्मा का "सिप" फेलोशिप में चयन

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्टीब्यूशन कंपनी में कार्यपालन अभियंता के पद पर सेवारत श्री अश्वनी शर्मा के प्रतिभावान सुपुत्र आकाश शर्मा का सोशल इनोवेटर के लिए प्रतिष्ठित "सिप" फेलोशिप (सोशल इनोवेशन इर्मशन प्रोग्राम) में चयन हुआ है। इस हेतु पूरे देश से प्राप्त आवेदनों में से एग्रीटेक में मात्र दस फोलोशिप प्रदान की गयी है। इसके तहत् आईआईएम कलकत्ता इनोवेशन पार्क के मार्गदर्शन में कृषि तकनीक (एग्रीटेक) में सोशल इनोवेटर स्टार्टअप के रूप में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

विदित हो कि भारत सरकार के बायो टेक्नोलॉली विभाग (डी.बी.टी.) के द्वारा जैव प्रौद्योगिकी में स्टार्टअप्स को बायोटेक्नोलाजी के नये-नये उत्पादों के विकास करने के लि प्रोत्साहित करने एवं समन्वय हेतु गठित संस्था "बायरैक" (जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहाययता परिषद) के स्पर्श कार्यक्रम में तहत छत्तीसगढ़ प्रदेश के चि. विकास का चयन हुआ है। श्री आकाश शर्मा आर.आई.टी. कॉलेज रायपुर से बायोटेक्नालॉजी में बी.ई. तथा एस.आर.एस. कॉलेज चेन्नई से जेनेटिक इजीनियरिंग में एम.टेक की उपाधि अर्जित कर वर्तमान में एमिटी यूनिवर्सिटी जयपुर में "बाजरा" फसलों में नैनो टेक्नोलाजी के प्रयोग विषय पर शोध कार्य कर रहे हैं।

उतई वितरण केंद्र में उपभोक्ता सुविधा में वृद्धि

दुर्ग क्षेत्र के संचारण-संधारण संभाग भिलाई के अंतर्गत स्थित उतई वितरण केंद्र कार्यालय में बिजली उपभोक्ताओं की सुविधाओं के लिए शेड निर्माण एवं पेयजल का प्रबंध किया गया।सहायक अभियंता श्रीआर.के.चन्द्राकर ने बताया कि इससे कार्यालय में आने वाले उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। उतई वितरण केंद्र कार्यालय के सामने शेड नहीं होने के कारण उपभोक्ताओं का समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। उपभोक्ताओं द्वारा शेड निर्माण की मांग की जा रही थी। उन्होंने बताया कि इस समस्या के समाधान के लिए शेड निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया।

बिलासपुर क्षेत्र में लोक सेवा केन्द्र से बिजली बिल संग्रहण प्रारंभ

बिलासपुर क्षेत्र के विभिन्न कार्यालयों में बिजली उपभोक्ताओं की सुविधा में बढ़ोत्तरी करते हुये लोक सेवा केन्द्र (कॉमन सर्विस सेंटर) के माध्यम से बिजली का बिल संग्रहण करने का कार्य शुरू किया गया। पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी अपने उपभोक्ताओं की सेवा में अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है, जिसके अंतर्गत पूरे प्रदेश में लोक सेवा केन्द्र (कॉमन सर्विस सेंटर) के माध्यम से बिजली बिल संग्रहण करने की सुविधा का विस्तार किया जा रहा है। बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने बताया कि इस सुविधा के प्रारंभ हो जाने से उपभोक्ताओं को बिजली के बिल जमा करने में परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा, यदि किसी उपभोक्ता को भुगतान संबंधित शिकायत होती है तो वह टोल फ्री नंबर 1912 पर सूचित कर सकते हैं।

वर्तमान में इस योजना के तहत् बिलासपुर रीजन के बिलासपुर शहर में गोल बाजार, नेहरूनगर, सरकंड़ा, पी.जी.बी.टी. सबस्टेशन कैंपस व तोरवा जोन, बिलासपुर (ग्रामीण) के वितरण केन्द्र तिफरा, बिल्हा, बरतोरी, सकरी, सेंदरी, पेण्ड्रारोड जिले में वितरण केन्द्र पेण्ड्रा (शहर), पेण्ड्रारोड़ एवं दुबटिया, मुंगेली जिले के वितरण केन्द्र सिलदहा, पथरिया, मुंगेली जोन व मुंगेली (ग्रामीण), कोरबा जिले के पोडीमार जोन व तुलसीनगर जोन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित लोक सेवा केन्द्र के द्वारा बिजली बिल संग्रहण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। यह सेवा उपभोक्ताओं के लिए सुबह 8 बजे से सायं 8 बजे तक चालू रहेगी, जहां पर कोई भी विद्युत उपभोक्ता बिजली का बिल नगद भुगतान कर सकता है, तथा भुगतान के पष्वात् प्राप्त रसीद की सत्यता की जाँच के लिए रसीद पर प्रिंट क्यूआर कोड को मोबाईल फोन में क्यूआर कोड स्कैनर के माध्यम से स्कैन करके भुगतान का पूरा विवरण देखने की भी सुविधा प्रदान की गई है।

कोरोना कहे मुझसे बिल्कुल डरो ना

कल रात सपनों में आया कोरोना
उसे देख मैं जो डरी और शुरू किया रोना
तो मुस्करा के वे बोला
कितनी अच्छी है तुम्हारी संस्कृति
न चूमते, न गले लगाते, दोनों हाथ जोड़कर
तुम स्वागत करते, वही करो ना
मुझसे बिल्कुल डरो ना
कहां से सीखा तुमने रुम स्प्रे, बॉडी स्प्रे
पहले तो तुम धूप, दीप, अगरबत्ती जलाते
वही करो ना, मुझसे बिल्कुल डरो ना
शुरू से तुम्हें सिखाया गया
हाथ-पैर धोकर घर में घुसो
मत भूलो अपनी संस्कृति, उनका संरक्षण करो ना
मुझसे बिल्कुल डरो ना
शुरू से ही पशु-पक्षियों को पाला-पोसा प्यार दिया
रक्षण की है तुम्हारी संस्कृति, उनका अनुशरण करो ना
मुझसे बिल्कुल डरो ना

• साभार : भाग्यश्री गुप्ता

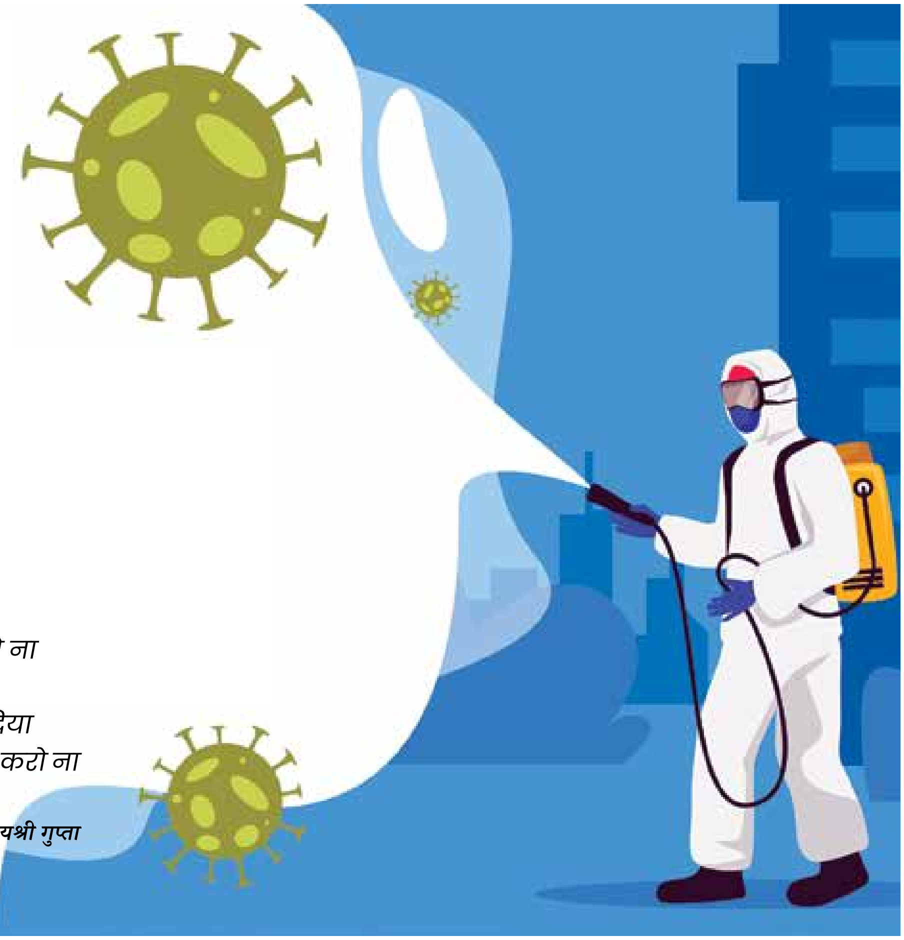

बिजली का दर्द

अम्मा फूट फूटकर रो पड़ी। बाबूजी की मौत पर भी इस प्रकार बिलख-बिलखकर नहीं रोई थी। बड़े भाई सोमेश ने तल्ख आवाज में कह दिया-अम्मा, तुम भी छोटी-छोटी बातों को लेकर हम तीनों भइयों में दरार डाल रही हो।

मैं दरार डाल रही हूं, मैं... मैं तुम्हारी अम्मा हूं। हे भगवान, इतना कहकर अम्मा फूट-फूटकर रोने लगी। सोमेश को भी नहीं मालूम था कि अम्मा उसकी बात को इतनी गहराई से पकड़कर बिखर जाएंगी। उसने मां के सामने अपनी गलती को स्वीकार किया, अम्मा मैने तो सादे मन से कह दिया था, आपको बुरा लगा हो तो मुझे माफ करना। परंतु अम्मा का बिलखना हिचकियों में बदल गया। अपने आप को असमर्थ पाकर सोमेश अपनी बीवी के साथ बाहर निकल गया।

गणेश और चंद्रेश भी आंगन में खड़े थे। उनके चेहरे पर प्रश्नचिन्ह देख सोमेश सफाई देने लगा, अम्मा कह रही थीं कि तुम सारे भाई अपना बिजली का मीटर अलग लगवा लो। सब बिजली बर्बाद करते हैं। मुझे यह बिल्कुल अच्छा नहीं लगा, तो मैने कह दिया कि आप हम भाइयों में दरार डालना चाहती हो। बस इतनी सी बात थी और तब से अम्मा रोए जा रही हैं। चुप ही नहीं हो रहीं।

चंद्रेश तू जाकर अम्मा को शांत करा ले, तेरी बात मान लेंगी। गणेश ने चंदेश की पीठ पर हाथ रख दिया। सबसे छोटा होने के कारण वह अम्मा का सबसे प्यारा बेटा था। चंद्रेश मां के कमरे में आ गया, क्या हो गया अम्मा। वह उनके पास बैठ गया। चंद्रेश को देखकर अम्मा का रुदन फिर फूट पड़ा।

ऐसा न करो अम्मा, बताओ तो सही बात क्या है, चंद्रेश की बीवी ने अम्मा को बिठाकर पानी पिलाया। अम्मा आज आपको क्या हो गया? गहरी आत्मीयता से चंद्रेश ने पूछा।

बेटे, मैं खुद नहीं जान पा रही हूं, आज मेरा मन इतना भारी क्यों हो गया। बात भी कुछ विशेष नहीं थी परंतु मुझसे यह बिजली की बर्बादी देखी नहीं जाती। अम्मा तनिक उत्तेजित हो गईं, ये बात विशेष नहीं कि बिजली का बिल मेरी पेंशन से जाता है परन्तु सब साझे की होली समझकर बिजली बर्बाद करने में लगे हैं। इसका मुझे दुख है। तुम ही बताओ चंद्रेश किसी घर का बिल 20 हजार रुपए आता है ? 20 हजार में तो एक साधारण परिवार का महीने भर का खर्च चल सकता है। बिजली के प्रति तुम सब लापरवाही करो और तुम्हारे बच्चे तो चालू करके कभी बंद करने का नाम ही नहीं लेते। सारे घर में बिजली बंद करने का काम मेरा ही रह गया है क्या ? माना तुम्हारी आर्थिक स्थिति अच्छी है, इस बिल से तुम्हें कुछ विशेष फर्क नहीं पड़ता परंतु सुना नहीं है क्या तुमने देश में पहले ही ऊर्जा का संकट बना रहता है। फिर ऐसी वस्तु को बर्बाद करना तो राष्ट्रद्रोह है।

परंतु अम्मा हम जितनी बिजली खर्च करते हैं ईमानदारी से उसका बिल अदा करते हैं, चंद्रेश ने कहा। बेटे, बात बिल देने या न देने की नहीं है। देश के सारे संसाधन हम सबके साझे हैं, जिन पर सबका साझा अधिकार है। किसी के घर में सारी रात एसी बेकार में चलता रहे और दूसरे घर में बिजली न होने के कारण बालक पढ़ ही न पाए। बेटे, हमने उस बालक के हिस्से की बिजली हथिया ली है और हम उसको व्यर्थ लुटाकर पाप कर रहे हैं, पाप। सीधी सी बात तुम लोग समझ सकते हो। चूंकि हम बिल चुका सकते हैं, इसी से तो हमें बिजली को व्यर्थ करने का हक नहीं मिल जाता। ऐसा लगा मानो अम्मा फिर अपने अध्यापिका वाले दौर में लौट आई हैं।

सुनो अम्मा को यहीं नाश्ता करवा दो, मैं भी अपना नाश्ता लेकर आता हूं, अपनी पत्नी को बताकर चंद्रेश उठ गया। अम्मा अब बेहतर महसूस कर रही थी। आज उन्हें चंदेश के पापा याद आ गए। उनके जाने के इतने साल बाद आज अचानक सोमेश के कठोर वचन सुनकर अम्मा का मन भर आया था। वे सारी उम्र तीनों भाइयों को जोड़ने की कोशिश करती रहीं अपने अध्यापनकाल में भी कक्षा में सदैव एकता का पाठ पढ़ाती रहीं। अपने घर में बिजली की बचत करती रहीं और अपने छात्रों को सदैव बिजली बचाने का संदेश देती रहीं। तब से आज तक बिजली बचाने की आदत बन गई। घर में हो या घर से बाहर, कहीं भी बिजली बर्बाद होती दिखाई देती तो अम्मा उसके खिलाफ आवाज जरूर उठातीं।

चंद्रेश और उसकी पत्नी मां का नाश्ता लिए कमरे में आ गए। मां, परिवार के सभी सदस्यों ने मिलकर फैसला किया है कि जो भी घर की बिजली बर्बाद करेगा, उस पर हर बार 50 रुपए का जुर्माना लगेगा। जुर्माने तथा बिजली के बिल से जो बचत होगी उससे हम सारे घर में एलईडी बल्ब लगवा लेंगे। अब तो आप खुश हो न, लो नाश्ता कर लो। हाथ में प्लेट पकड़ते हुए अम्मा के चेहरे पर संतोष की मुस्कान बिखर गई।

• *साभार : मधुकांत*

प्रिंट स्केनर मिश्राबाड़ा, तात्यापारा, रायपुर 88899 14459

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी मर्यादित डंगनिया, रायपुर

फोन : 0771-2574702, फैक्स : 0771-2574702 | website : www.cspc.co.in

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक मुद्रण/प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है - मुद्रक